फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 245 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 मार्च 2025 शनिवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

हिमस्खलन में फंसे 14 और मजदूरों का रेस्क्यू

अब 8 की तलाश

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड के चमोली में कल एवलांच में बर्फ का पहाड़ खिसका और चपेट में 55 लोग आ गए। कल रात 8 बजे तक जहां 33 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया था। वहीं 14 लोगों को आज सुबह निकाला गया। अब 8 लोगों की तलाश जारी है। चमोली के डीएम संदीप तिवारी ने बताया- सेना के चार हेलीकॉप्टरों का उपयोग किया जा रहा है। 7 लोगों को जोशीमठ अस्पताल लाया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन में 200 से ज्यादा जवान लगे हुए हैं। घटना बद्रीनाथ से 3 किलोमीटर दूर चमोली के माणा गांव में हुई है। एवलांच में फंसे 55 मजदूरों में बिहार के 11, उत्तर प्रदेश के 11, उत्तराखंड के 11, हिमाचल प्रदेश के 7, जम्मू-कश्मीर के 1 और पंजाब के 1 मजदूर शामिल हैं।

पीएम मोदी ने आज उत्तराखंड के सीएम से रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली। धामी ने बताया कि चमोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के कुल 57 लोग काम कर रहे थे, जिसमें से 2 लोग छुट्टी पर थे। घटना के समय सभी मजदूर कंटेनर हाउस में थे तभी उसी दौरान बर्फ का बड़ा हिस्सा पहाड़ से नीचे आया और मजदूर दब गए।

पहाड़ों पर जबर्दस्त बर्फबारी से बिगड़ रहे हैं हालात

नईदिल्ली, एजेंसी

देश के पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश और बर्फबारी से हालात बिगड रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में तीन दिन से भारी बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश हो रही है। 5 और 6 मार्च तक मौसम पूरी तरह साफ होने के आसार हैं। इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक तीन दिन की बर्फबारी से 650 से ज्यादा सड़कें और 2300 से ज्यादा ट्रांसफॉर्मर ठप हो गए हैं। बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया। कांगड़ा और कुल्लू जिले में बादल फटने से आई बाढ़ में 10 से ज्यादा गाड़ियां बह गईं। चंबा और मनाली में भी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, बोर्ड की परीक्षाएं तय शेड्यूल के हिसाब से होंगी।

मप्र में चलेगी लू !

मप्र में मार्च के पहले पखवाडे में मौसम बिगडसकता है लेकिन 15 मार्च के बाद हीट वेव यानी, गर्म हवाएं चलने लगेगी। वहीं, दिन-रात का तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री ज्यादा रहेगा। इस दौरान ग्वालियर-चंबल सबसे गर्म रहेंगे, जबकि भोपाल, इंदौर-उज्जैन में मावठा गिर सकता है।मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन तक हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। हालांकि, अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है।

महाकुंभ से देश की अर्थव्यवस्था व जीडीपी को मिलेगा बूस्टर डोज़

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रयागराज में हाल में समाप्त हुए महाकुंभ का असर अब अर्थव्वस्था पर नजर आ रहा है। करोड़ों श्रद्धालुओं ने यहां आस्था के संगम में डुबकी लगाई थी। अब माना जा रहा है कि महाकुंभ देश की अर्थव्यवस्था में भी बड़ा योगदान देने जा रहा है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि महाकुंभ से भारत को वित्तीय वर्ष 24-25 में 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अभी इसका सटीक अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन कुंभ मेला मार्च तिमाही में उपभोग व्यय को काफी बढ़ावा देगा। उपभोग व्यय का मतलब है कि लोग कितना पैसा खर्च कर रहे हैं। महाकुंभ में आने वाले लोगों ने खाना-पीना, रहना, खरीदारी आदि पर खर्च किया है। इससे अर्थव्यवस्था को और गति मिलना लगभग तय है। गौरतलब है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 6.2 फीसदी हो गई। इसमें यह तेजी अच्छे मानसून और बढ़े हुए सरकारी खर्च के कारण ग्रामीण उपभोग में सुधार के चलते आई है। यह दर पिछली तिमाही में 5.6 प्रतिशत थी। यानी इस बार इसमें तेजी आई है। यह बताती है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है।महाकुंभ का बजट करीब 12,670 करोड़ रुपये था। इसमें राज्य और केंद्र दोनों का खर्च शामिल है। कुंभ के दौरान करोड़ों लोगों के प्रयागराज आने से इस विशाल तीर्थयात्रा कार्यक्रम से बड़े पैमाने पर व्यापार होने की उम्मीद थी।

करारों को आधार देने में जुटे अफसर, महीने भर में निवेश का ठोस खाका हो जाएगा तैयार

ग्लोबल समिट के बाद फॉलोअप मोड में तंत्र, कन्वेंशन सेंटर के लिए दौड़धूप

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

राजधानी में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के बाद अब सरकार ने तमाम निवेश करारों को जमीन पर उतारने का मिशन शुरू कर दिया है। इसमें भोपाल के आसपास के निवेश प्रस्तावों को भी ठोस धरातल देने की कोशिश हो रही है। अफसर लगातार निवेशकों से संपर्क में हैं और तमाम फालोअप कर रहे हैं। जानकार सूत्र बताते हैं कि सीएम मोहन यादव के निर्देश व रुख को देखते हुए इस बार अफसरशाही खासतौर पर सक्रिय है। वहीं सीएस अनुराग जैन ने तमाम फालोअप व निवेश संबंधी कार्यों की मानिटरिंग अपने हाथ ले रखी है। इसका नतीजा अगले एक महीने में नजर आ सकता है, सूत्रों का कहना है कि तब तक कुछ उद्योगों की जमीन पर उतरने की शुरूआत हो सकती है। इस बीच सीएम की मंशा के मुताबिक अफसर दौडधूप करके भोपाल में कन्वेंशन सेंटर बनाने के लिए जमीन देख रहे हैं। यह सेंटर इतना बड़ा व सुविधायुक्त होगा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे बड़े आयोजन आसानी से हो सके। इसके लिए सबसे पहले जेल पहाड़ी, खुदागंज, बरखेड़ी बजायफ्त और कालापानी में जमीन देखी जा चुकी है। सरकार के स्तर पर इनमें से किसी एक पर हरी झंडी लेने की प्रक्रिया भी चलाई जा रही है। हालांकि ग्लोबल समिट के लिये ही इंदौर में कुछ साल पहले बडा कन्वेंशन सेंटर बनाया गया था। लेकिन अब सरकार का फोकस भोपाल पर आ गया है। सीएम ने ही भोपाल में कन्वेंशन सेंटर बनाने की घोषणा की है। लिहाजा इसे अमली जामा पहनाने के लिए अफसर बहुत सतर्क हैं।भोपाल कलेक्टर ने भी राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में जमीन और भूमि लैंड

13 हजार एकड़ जमीन रेडी

उद्योगपतियों ने इंडस्ट्री, होटल, रिसॉर्ट और अन्य यूनिट खोलने के लिए एमओयू किया है। इसके लिए उन्हें जमीनों की जरूरत पड़ेगी। हालांकि, जिले में पहले से लैंड बैंक तैयार है, इसमें 13 हजार एकड़ भूमि है। मौजूदा लैंड बैंक की सभी जमीनों की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि कहा जा रहा है कि इनमें कुछ सरकारी जमीन अतिक्रमण की चपेट में है। लिहाजा अतिक्रमण हटाने का प्लान भी बनेगा।

कन्वेंशन सेंटर के लिए यह साइट

- टीटी नगर तहसील के तहत खुदागंज में साक्षी ढाबे और केरवा डेम के बीच यानी बुल मदर फार्म के पास 50 एकड़ जमीन उपयुक्त मानी जा रही है। यह शहर की कनेक्टिविटी के लिहाज से भी बेहतर है।
- जेल पहाड़ी पर 22 एकड़ जमीन उपलब्ध है यह शहर के बीचों-बीच है, लेकिन यहां ट्रैफिक और अन्य समस्याएं देखते हुए हिचक है।
- कोलार तहसील के तहत कालापानी 80 एकड़ जमीन है। यह 40-40 एकड़ में दो हिस्से में जमीन है। यहां भी सहमति बन सकती है।

का मैदानी सर्वे भी किया है। जानकारों की मानें तो खुदागंज की जमीन कन्वेंशन सेंटर के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त मानकर रिपोर्ट भेजी गई है। भोपाल के राजस्व अधिकारियों की भी जुटाया गया है। भोपाल से संबंधित घोषणाओं को पूरा करने के विषय में एक्शन प्लान बना है।

बहस के बाद... दूसरे कमरे में जा बैठे जेंलेस्की को ट्रंप ने व्हाइट हाउस से बाहर निकाल दिया

डील भी रद्द, पड़ गए लेने के देने

वाशिंगटन, एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति को वोलोदिमीर जेलेंस्की को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बहस के बाद मुश्किलों का सामना करना पड सकता है। बहस के बाद जेलेंस्की व उनके अफसर दूसरे कमरे में चले गये थे लेकिन ट्रंप ने उन्हें व्हाइट हाउस से तुरंत बाहर जाने का संदेश भिजवाया। यह बात जलेंस्की को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जाकर बताई। हालांकि जेलेंस्की द्वारा बहस के बाद यूक्रेन के अफसरों ने मामला संभालने व बातचीत पटरी पर लाने की काफी देर तक कोशिश की

लेकिन नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीधे अपने मार-ए-लागो आवास की ओर रवाना हो गए। जेलेंस्की भी अमेरिका छोडकर ब्रिटेन रवाना हो गये। हालांकि जब वाल्टज और रूबियो ने जेलेंस्की को जाने को कहा तो जेलेंस्की ने उनसे कहा कि वे चीजों को ठीक कर सकते हैं तथा उन्होंने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की। लेकिन उन्हें यह मौका नहीं दिया। हालांकि जेलेंस्की ने कहा कि वे ट्रम्प का सम्मान करते हैं लेकिन ट्रंप को समझने की जरूरत है कि यूक्रेन, रूस को लेकर अपना रवैया एक दिन में नहीं बदल सकता।

बहस के बाद सिर पकड़कर बैठी यूक्रेन की राजदूत

यूएई में आईआईएम इंदौर के पूर्व छात्रों की संख्या 900 पार

इंदौर, एजेंसी

भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर और एजुकेशन पार्टनर अनिसुमा ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट दुबई की हालिया कांफ्रेंस व दो बैच के समपन समारोह में निदेशक, प्रो. हिमांशु राय ने कहा कि हम भविष्य के लीडर्स और मैनेजर्स तैयार कर रहे हैं। यूएई और जीसीसी क्षेत्र में हमारे पूर्व छात्रों की संख्या 900 से अधिक हो गई है। पिछले कुछ वर्षों में हमारे कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस कार्यक्रम में 80 सीनियर एग्जीक्यूटिव्स की समृद्ध शिक्षण यात्रा पूर्ण हुई है।

अब स्काइप भी होने वाला है बंद

नईदिल्ली, एजेंसी

अब माइक्रोसाफ्ट द्वारा वीडियो चैटिंग प्लेटफॉर्म स्काईप को भी बंद करने के आसार लग रहे हैं। विंडोज के लिए लेटेस्ट स्काइप प्रीव्यू में कुछ पैच नोट्स को स्पॉट किया गया है, जिसके आधार पर अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये सर्विस मई 2025 में बंद हो सकती है। इस प्लेटफॉर्म पर आज भी लाखों यूजर्स मौजूद हैं। सर्विस के बंद होने के बाद यूजर्स का क्या होगा, यह सवाल भी चल रहे हैं। वहीं कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी स्काइप को बंद करने के बाद इसके यूजर्स को माइकोसाफ्ट टीम्स पर माइग्रेट कर देगी। यानी कंपनी इसे रिप्लेस कर सकती है।

मेट्रो एंकर

आज पहली तारीख है... कई नियम बदले

सिलेंडर पर पिछले माह 7 रु. घटाए, आज से 9 बढ़ाए

नईदिल्ली, एजेंसी

हर महीने की तरह ही आज भी नए महीने की पहली तारीख कईज्ञ बदलाव व नये नियम लेकर आ गई है। आज से 6 बड़े नियम बदल रहे हैं। इसमें यूपीआई म्यूचुअल फंड से लेकर एलपीजी सिलेंडर के दाम तक शामिल हैं। ये बदलाव सीधे असर डालेंगे। इसके तहत तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम फिर बढ़ाए और 6 रुपये का इजाफा किया है। जबकि गत माह इसके दाम में 7 रुपये की कमी की गई थी। इस सिलेंडर की कीमत अब 18सौ से ज्यादा हो गई है। रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं जेट ईंधन या एविएशन टर्बाइन ईंधन की कीमत में मामूली 0.23 प्रतिशत की कमी आई है। राजधानी में मार्च के लिए यह 222 रुपये प्रति किलोलीटर घटकर 95,311.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है।

यूपीआई के नियम में बदले

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस में चेंज के तहत बीमा प्रीमियम का भुगतान और अधिक आसान होगा। यूपीआई सिस्टम में बीमा एप्लिकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक अमाउंट नामक एक नई सुविधा जोड़ी जा रही है। इसके जरिए लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी होल्डर अपने प्रीमियम पेमेंट के लिए पहले से ही पैसे को ब्लॉक रख सकेंगे। पॉलिसी होल्डर के अप्रूवल के बाद खाते से अपने आपका पैसा कट जाएगा।

म्यूचुअल फंड में अब 10 नॉमिनी

म्युचुअल फंड और डीमैट खातों में नॉमिनी जोड़ने से जुड़े नियमों में बदलाव के तहत कोई इन्वेस्टर डीमैट या म्यूचुअल फंड फोलियो में अधिकतम 10 नॉमिनी एड कर सकता है। इस संबंध में मार्केट रेगुलेटर सेबी ने गाइडलाइंस जारी की है, जो आज से प्रभावी है। इस बदलाव का उद्देश्य क्लेम न की जाने वाली संपत्तियों में कमी लाना और बेहतर इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट सुनिश्चित करना है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक में अगर 2 साल से ज्यादा समय तक कोई लेन-देन नहीं होता, तो अब बैंक अकाउंट बंद कर दिया जा सकता है।

इस महीने कई त्यौहार, 14 दिन बैंक रहेंगे बंद

इस महीने होली और ईद-उल-फितर समेत अन्य त्योहारों वाले इस महीने में 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। इनमें दूसरे और चौथे शनिवार समेत रविवार का साप्ताहिक अवकाश शामिल हैं। हालांकि, बैंक में छुट्टी के बावजूद ग्राहक ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का ट्रांजैक्शन कर सकते हैं या अन्य बैंकिंग काम निपटा सकते हैं. ये सर्विस 24 घंटे चालू रहेंगी।

कर्नाटक में शिंदें बनेंगे शिवकुमार

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी की कर्नाटक यूनिट ने एक भड़काऊ बयान देकर सियासी पारा गर्मा दिया है। इसमें उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे के बीच समानताएं बताई गईं हैं। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा, कांग्रेस में कई लोग हैं, जो एकनाथ शिंदे जैसे हो सकते हैं, शिवकुमार उनमें से एक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता पार्टी के अंदर विभाजन की कोशिश कर सकते हैं। यह बयान डीके शिवकुमार की बीजेपी से नजदीकी के बारे में अटकलों के बीच आया। दरअसल शिवकुमार कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। बीजेपी नेता ने दरार को और गहरा करने के मौके को भांपते हुए यह बात कही। वहीं कर्नाटक बीजेपी चीफ बीवाई विजयेंद्र ने कहा, ÷मैं कह रहा हूं कि कांग्रेस में अंदरूनी कलह बढ़ गई है. अब हर कोई डीके शिवकुमार को निशाना बना रहा है।

8 एकड़ में नया इस्कॉन मंदिर, 2 मार्च को कोलार में भूमिपूजन

पहली बार भोपाल आ रहे इस्कॉन के विश्व प्रमुख, सीएम भी शामिल होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सबसे बड़े इस्कॉन मंदिर इस्कॉन कोलार का भूमिपूजन रविवार 2 मार्च को कोलार में होगा। इस्कॉन भोपाल बीवायसी के अध्यक्ष रसानंद दास प्रभु ने बताया कि मानसरोवर डेंटल कॉलेज के पास स्थित 8 एकड़ हरे कृष्ण लैंड पर भव्य भूमिपूजन समारोह होगा। इस समारोह में भाग लेने के लिए वर्ल्ड वाइड इस्कॉन के प्रमुख और गवर्निंग बॉडी कमिश्नर गुरुप्रसाद स्वामी महाराज पहली बार भोपाल आ रहे हैं। उनके साथ इस्कॉन मध्य प्रदेश के प्रभारी एवं जोनल सेक्रेटरी महामनदास प्रभु उपस्थित होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालिनी राय, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष भगवानदास सबनानी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ गोपूजन और इस्कॉन के संस्थापकाचार्य श्रील प्रभुपाद की आरती से किया जाएगा। इसके बाद 2 मार्च रविवार की सुबह 7.30 बजे भूमि को पवित्र करने व सभी देवी-देवताओं के आह्वान के साथ हवन-यज्ञ किया जाएगा।

बरखेड़ी फाटक फुट ओवरब्रिज निर्माण ने पकड़ी रफ्तार

भोपाल. बरखेड़ी फाटक के बंद होने के बाद ऐशबाग की तरफ से लोगों का जान जोखिम में डालकर रेल पटरी से पैदल आवागमन जारी है इस बीच सुखद खबर यह है कि ऐशबाग से बोगदा पुल साइड पर रेलवे ओवर ब्रिज का काम अब अंतिम पड़ाव में है। इसके साथ ही फुटओवर ब्रिज के निर्माण कार्य ने भी तेजी पकड़ ली है। इससे आने वाले दिनों में स्थानीय लोगों को आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी।

रचना टॉवर के पास महीनों बाद भी नहीं लगे चेतावनी के बोर्ड, बढ़ने लगे हादसे

राहगीर और वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार लापरवाह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राहगीर और वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार एजेंसियां लापरवाही बरत रही हैं। आलम यह है कि जिम्मेदारों ने एमपी नगर से भेल-सुभाष नगर जाने वाले मार्ग पर स्थित रचना टॉवर के पास टर्निंग प्वाइंट में कहीं भी चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। जिसके चलते आए दिन इस सड़क पर हादसे हो रहे हैं। यह स्थिति रात के वक्त में ज्यादा खतरनाक होती है। हादसों को लेकर हमेशा अशंका बनी रहती है। इतना ही नहीं आए दिन वाहन चालकों के बीच भिडंत की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस समस्या को लेकर लगातार शिकायतें हो रही है, फिर भी इस मामले में जिम्मेदार अफसर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

गौरलतब है कि रायसेन रोड को जोड़ने वाली रोड रचना, एमपी नगर सहित आसपास के कई कॉलोनियों को कनेक्ट करती है। यहां से रोजाना हजारों वाहन चालक आवाजाही करते हैं। यहां पर चेतावनी बोर्ड नहीं होने से जब कोई वाहन चालक ओवर स्पीड में वाहन चलाता हुआ आता है, तो उससे सड़क हादसे की आशंका ज्यादा बढ़ जाती है। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि यहां पर आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

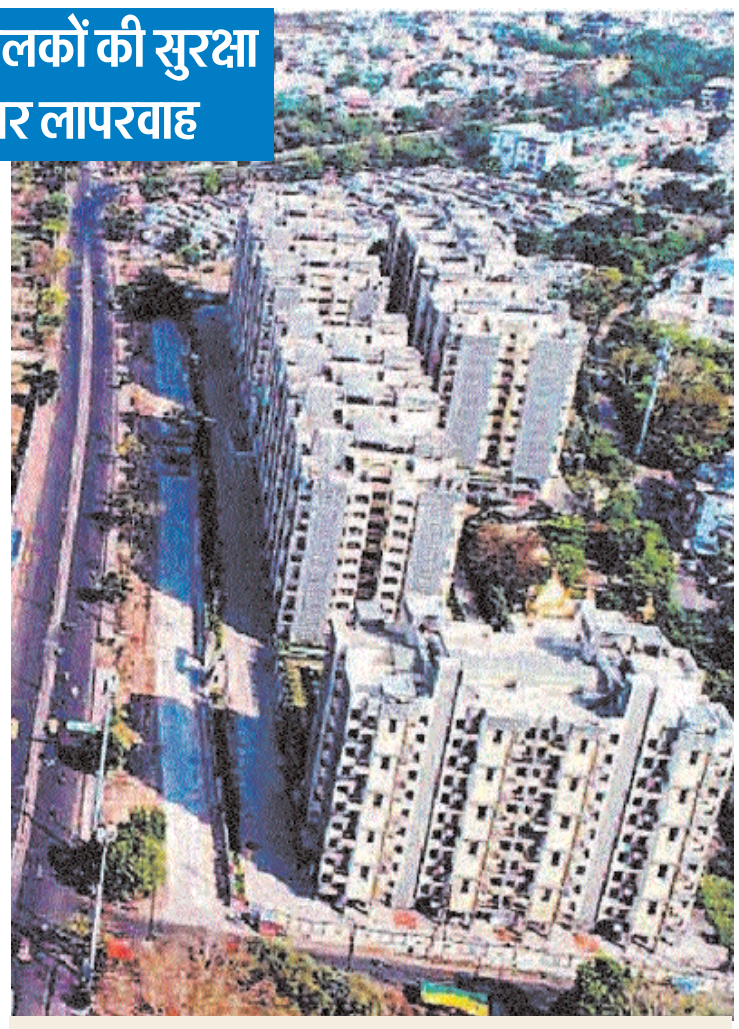

टर्निंग प्वाइंट में साईनेज बोर्ड लगाना जरूरी

टर्निंग प्वाइंट में साइनेज बोर्ड लगाया जाना जरूरी है इसके ना लगे होने से वाहन चालकों को आवागमन करने में परेशानी हो रही है। साथ ही सड़क हादसों को लेकर आशंका बनी रहती है। लोगों का कहना है कि सड़क के ब्लैक स्पॉट का सर्वे कराकर सुगम यातायात के लिए चेतावनी बोर्ड लगाया जाना जरूरी है जिससे वाहन चालक बिना रुके आवागमन कर सकें।

ब्लैक स्पॉट एवं टर्निंग प्वाइंट में ज्यादा दिक्कत

यातायात विभाग के मुताबिक सड़क के ब्लैक स्पॉट एवं टर्निंग प्वाइंट में राहगीर और वाहन चालकों की पूर्व सूचना के लिए साइनेज बोर्ड लगाया जाना जरूरी है क्योंकि इस साइनेज बोर्ड से सड़क के आगे की स्थिति के बारे में पता चलता है। इसके ना लगे होने से सड़क हादसों की संभावना ज्यादा बढ़ जाती है। हादसों को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा बैठकों में भी इस पर जोर दिया जाता है।

अभी ये है स्थिति: रायसेन रोड और एमपीनगर को आवागमन करने वाले राहगीर और वाहन चालक छोटा रास्ता होने के कारण इसी रास्ते से होकर आवाजाही करते हैं। ऐसे में इस रास्ते से गुजरने वालों की संख्या हजारों से ज्यादा है। पास में मेहता मार्केट स्थित है। ऐसे में वैसे भी लोगों की भीड़भाड़ बनी रहती है। वहीं, दूसरी ओर रचना नगर बिजली सब-स्टेशन भी बना हुआ है। इसी के बगल से होकर यह रास्ता गुजरता है, जिसमें दो अंधे मोड़ बने हुए हैं, जिससे हादसा होने की संभावना है।

देवेंद्र की याद में फोटोग्राफी पुरस्कार स्थापित होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर स्वर्गीय देवेंद्र दुबे को पत्रकारों व छायाकारों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। देवेंद्र दुबे का बीती 23 फरवरी को निधन हो गया था। श्रद्धांजलि सभा के दौरान पत्रकारों और छायाकारों ने स्वर्गीय दुबे के परिजनों को विश्वास दिलाया कि वे हर स्थिति में मदद के लिए तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के शलभ भदौरिया ने कहा कि स्व.दुबे के दोनों बच्चों की शिक्षा की चिंता व जरूरी व्यवस्था की जाएगी।

वरिष्ठ पत्रकार आशीष दुबे ने सुझाव दिया कि देवेंद्र दुबे की स्मृति में फोटोग्राफी पुरस्कार स्थापित किया जाए, जिसका सभी ने समर्थन किया। धर्मेंद्र पैगवार ने परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। सीनियर प्रेस फोटोग्राफर राजीव गुप्ता, अजय सोलंकी ने भी स्वर्गीय दुबे से जुड़ी स्मृतियां साझा की। जबकि नगर निगम के कोलार फायर स्टेशन इंचार्ज पंकज खरे ने रुंधे गले स्वर्गीय दुबे से अपने संबंधों व यादों का उल्लेख किया।

इस मौके पर पत्रकार सुधीर निगम, राजेश राय, ह्रआदेशप्रताप सिंह, शिशुपाल तोमर, दिलीप भदौरिया, ललित

कटारिया, निर्मल व्यास, महेंद्र दवे, अनिल दीक्षित, रजनीश झाबक, प्रवीण दीक्षित, एनपी पटेल, रतनलाल बाथम, दया प्रसाद, आलोक गुप्ता, सरल भदौरिया, जतिन मिढोरे, महेश विश्वकर्मा, अबरार अली, एचसी वर्मा, असरफ अली, शमीम खान, लक्ष्मण, राजीव सराठे, राजविंदर सिंह, एएन चौकसे, अजय शर्मा, राकेश सैनी, सुधीर वर्मा, इरफान अली, पंकज भदौरिया, विपिन यादव, विवेक निमदेवकर उर्फ विक्की, उदय मौर्या समेत अन्य पत्रकार और प्रेस फोटोग्राफर उपस्थित रहे।

59 विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25-25 हजार मिले

हिरदाराम नगर. राज्य सरकार द्वारा बोर्ड परीक्षा में 70 फीसदी से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25 हजार रूपये की राशि दी हैं, एलवीएस एजुकेशन सोसाइटी गांधीनगर द्वारा संचालित स्कूलों के 59 विद्यार्थियों के खातों में भी एमपी लैपटॉप योजना में 25-25 हजार की राशि मिली है। एलवीएस स्कूल की लगभग 42 छात्राएं एवं प्रेरणा किरण स्कूल के 17 छात्रों को लैपटॉप के लिए राशि मिली है। बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए लैपटॉप की राशि हासिल करने वाले विद्यार्थियों ने कहा कि समय-समय पर सिद्धभाऊजी के मार्गदर्शन और परीक्षा के समय परीक्षा पूर्व तैयारी सत्र में मिले टिप्स से वह बेहतर अंक लाने में सफल हुए। समिति के सचिव भगवान दास दामानी ने कहा कि लैपटॉप योजना में और अधिक संख्या में विद्यार्थी अपना नाम दर्ज कराएं।

बिजनेस आइडिया पिचिंग प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार एसएचआईए को

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की छात्राओं ने जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी बिजनेस आइडिया पिचिंग कॉम्पटीशन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस बिजनेस प्लान कॉम्पटीशन में देश के विभिन्न प्रबंध संस्थानों से प्रतिभागी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने बिजनेस प्लान को प्रस्तुत किया। संस्थान की एमबीए इंटीग्रेटेड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं नौरीन फातिमा रिजवी, अनन्या टंडन, मनिष्का अग्रवाल एवं यशमिता मालवीय की टीम ने अपने बिजनेस प्लान आर्गेनिक प्लैटर को प्रस्तुत किया था। प्रश्नों के उत्तर दिए। इस बिजनेस प्लान में पौष्टिक आहार को प्राथमिकता दी गई थी, छात्राओं को 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए गए।

दिग्विजय के जन्म दिन पर मजदूरों को भोजन कराया

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का जन्म दिन कांग्रेसजनों ने सेवा कार्यों के बीच मनाया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव ओम यादव व गांधीनगर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष आनंद सबधाणी के साथ कार्यकर्ताओं ने अपने नेता के जन्म दिन पर लालघाटी चौराहे पर सेवा की। करीब 500 दिहाड़ी मजदूरों को भोजन कराया। इस अवसर पर सबधाणी ने कहा कि दिग्विजय सिंह हमेशा गरीबों तथा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के कार्य में सक्रिय रहते हैं। उन्होंने दिहाड़ी मजदूरों को पूरे वर्षभर रोजगार मिले इसके लिए कई बार प्रदेश सरकार को खत भी लिखे हैं। यादव ने कहा कि राज्य सभा में हमेशा दिग्विजय गरीबों, पिछड़े

वर्ग की आवाज उठाते हैं। सेवा कार्य में पार्षद अशोक मारन, मनीष यादव, विक्की यादव, नीलमणि दुबे, गोविंद शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।

मेट्रो एंकर | अंतर विद्यालयीन, महाविद्यालयीन प्रतियोगिताएं हुई

संत कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दो दिनी कार्यक्रम

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का थीम विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं का सशक्तिकरण में टॉक शो एवं विभिन्न अंतर विद्यालयीन और अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

वर्चुअल सम्मेलन में हिस्सा लिया: कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित वर्चुअल सम्मेलन में हिस्सा लिया। प्राचार्य, डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है बल्कि हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है। एक स्वस्थ जीवनशैली और स्वस्थ शरीर ही वैज्ञानिक सोच को विकसित कर सकता है। मुख्य अतिथि ज़ामरान हुसैन, आयरन मेन ट्राय ऐथलिटन एवं ट्रायज़ी ऐथलिट के संस्थापक ने टॉक शो जिसकी थीम ग्रीनहेल्थ-डिबंकिंग मिथ्स एंड एम्ब्रेसिंग सस्टेनेबिलिटी में स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और सतत जीवन शैली को अपनाने पर विचार साझा किए।

एआई, रोबोटिक्स प्रदर्शनी: दो दिवसीय समारोह के पहले दिन एआई और रोबोटिक्स विषय पर प्रदर्शनी प्रतियोगिता आयोजित की गई, इनोवेशन ऑफ टु मॉरो थीम पर मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता रखी गई। मॉडल प्रतियोगिता में अंतरविद्यालयीन वर्ग के विजेता चिराग मेहरा और सक्षम उदासी, दीपमाला संस्कार पब्लिक स्कूल से एवं अंतर महाविद्यालयीन वर्ग की विजेता रिफत फातिमा, संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय से रही। एआई और रोबोटिक्स प्रदर्शनी में वैष्णव पॉलिटैक्निक कॉलेज, इंदौर के गौरव, हर्ष पांडे और नवनिध स्कूल की छात्रा दीपिका लालवानी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। कुल 178 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

सीएम बोले– 2600 रुपए देंगे गेहूं के दाम, कांग्रेस ने की 2700 डिमांड

इधर सरकार ने ऐन वक्त पर बढ़ाई गेहूं खरीदी की तारीख

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2600 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की है। ये दाम इसी बार की खरीदी में मिलेंगे। जबकि कांग्रेस शुरू से 2700 रुपये देने की बात पर अड़ी है। भाजपा के घोषणा पत्र में भी 2700 रुपये दिए जाने की बात थी। अब सीएम कह रहे हैं कि 2700 रुपये दाम तो पूरे पांच साल की अवधि में किए जाने थे लेकिन कांग्रेस सुबह से शाम तक कोस रही है, उसका काम ही कोसना है।

उल्लेखनीय है कि बीते साल केंद्र ने समर्थन मूल्य 2175 रुपये तय किया था, जिस पर राज्य सरकार ने 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया। इस तरह किसानों को प्रति क्विंटल 2400 रुपये मिले। इस साल केंद्र ने समर्थन मूल्य 150 रुपये बढ़ाकर 2425 रुपये किया है, जिस पर राज्य सरकार ने 175 रुपये बोनस देने का निर्णय लिया है। इस तरह किसानों को प्रति क्विंटल 2600 रुपये मिलेंगे।

आज से शुरू होनी थी खरीदी, सरकार ने एक दिन बढ़ाई तारीख

प्रदेश में 1 मार्च से गेहूं खरीदी शुरू होनी थी। यह खरीदी भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन व इंदौर संभाग के जिलों में होनी थी। बाकी के संभागों में 17 मार्च से गेहूं खरीदा जाना था लेकिन शुक्रवार शाम को अचानक मंत्री गोविंद सिंह ने प्रदेशभर में 15 मार्च से खरीदी शुरू करने की घोषणा कर दी।

सांची संयंत्र में नकली दूध का मामला गर्माया जांच कराने की मांग

कांग्रेस बोली-उपभोक्ताओं की सेहत के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजगढ़ एवं आगर की दुग्ध संकलन डेरियों से सांची दूध के चिलिंग प्लांट को सिंथेटिक दूध सप्लाई करने का कथित मामला गंभीर है। इससे सांची दूध की ब्रांड वेल्यू,मप्र शासन की प्रतिष्ठा और लाखों उपभोक्ताओं की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है।

यह बात कांग्रेस प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने आज कही और बताया कि कांग्रेस की कमलनाथ सरकार द्वारा चलाये गये शुद्ध का युद्ध अभियान के दौरान भी सांची के टैंकर में मिलावटी दूध पकड़ा गया था जिसमें पानी की मिलावट पाई गयी थी और कुछ अधिकारी सस्पेंड भी किये गये थे। किंतु पांच साल बाद स्थिति सिंथेटिक मिल्क की मिलावट तक पहुंच रही है तो इसका अर्थ है कि भाजपा के शीर्ष लोगों के समर्थन से यह घातक खेल प्रश्रय पा रहा है। गुप्ता ने कहा कि अब सरकार बताये कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिये इन पांच सालों में क्या प्रयास किये। सिंथेटिक दूध की मिलावट का कांड कबसे चल रहा था? उन्होंने आगर तथा राजगढ़ के सैंपल की गहन जांच स्वतंत्र लैब से कराने व आपराधिक षड़यंत्र का पर्दफाश करने की मांग की व कहा कि सांची ब्रांड की विश्वसनीयता को धूमिल करने वाले इन प्रयासों और प्रदेश के लाखों दुग्ध उपभोक्ताओं की सेहत से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

सांची विश्वविद्यालय में बौद्ध दर्शन पर व्याख्यान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में लद्दाख में बौद्ध दर्शन विषय पर विशिष्ट अतिथि और नई दिल्ली के लद्दाख केंद्रीय शोध संस्थान के निदेशक तथा जम्मू कश्मीर सांस्कृतिक अकादमी के पूर्व मुख्य संपादक डॉ. नवांग सेरिंग शाक्सपो ने व्याख्यान दिया।सेरिंग ने तिब्बती भाषा के भारत में जन्म की बात कहते हुए तिब्बती भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान करने की मांग की।

उनके मुताबिक तिब्बती भाषा अधिकतर हिमालयी राज्यों में बोलचाल में प्रयुक्त होती है। उन्होने कनिष्क द्वारा तिब्बत में बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका का भी उल्लेख किया। नवांग ने बौद्ध दर्शन के अलग-अलग संप्रदायों- थेरवाद, महायान और तंत्रयान के बार में भी बताया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु ने सम्राट अशोक के समय ही लद्दाख के कुछ भागों में बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार का उल्लेख किया। कनिष्क ने ना सिर्फ लद्दाख अपितु तिब्बत तक बौद्ध धर्म को फैलाया। उन्होने आधुनिक युग में बौद्ध धर्मगुरु कुशक बकुला ने मंगोलिया में भारत के राजदूत के रुप में अविस्मरणीय कार्यों का भी उल्लेख किया।

दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान में राष्ट्रीय शोधार्थी समागम

भोपाल। दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम आज से मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद परिसर में प्रारंभ हुआ। भारत के ज्ञान, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी सहित अलग-अलग विषयों में भारत केन्द्रित शोध को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित समागम में देश के 280 से अधिक शिक्षाविद्, अनुसंधानकर्ता, स्वतंत्र शोधकर्ता भाग लें रहे हैं। निदेशक डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि उद्घाटन सत्र में प्रसिद्ध चिंतक एवं विचारक मुकुल कानिटकर ने बीज वक्तव्य दिया। भारतीय ज्ञान परंपरा पर केन्द्रित शोध दृष्टि के प्रोत्ड़साहन के उद्देश्य से हो रहे इस समागम में देश भर के 30 से अधिक शिक्षाविद् और विद्वान 14 से अधिक सत्रों को संबोधित करेंगे। भारतीय ज्ञान परंपरा में अनुभव, अवलोकन, प्रयोग और विश्लेषण की व्यवस्थित प्रणाली रही है। लेकिन यह शोध परंपरा हमारी अकादमिक शोध पद्धति से विस्मृत हो गई।

एसीएस केसरी व गृह सचिव श्रीवास्तव सेवानिवृत्त

भोपाल। आईएएस अजित केसरी व आईएएस ओम प्रकाश श्रीवास्तव शुक्रवार सेवानिवृत्त हो गए। केसरी मप्र कैडर में 1990 और श्रीवास्तव 2007 बैच के आईएएस रहे हैं। केसरी पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव थे उनके पास घुमंतू एवं अर्धघुमंतू जनजाति विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी था। जबकि आईएएस श्रीवास्तव गृह विभाग में सचिव थे।

एसीएस बने संजय शुक्लाः भोपाल। आईएएस संजय शुक्ला अब अपर मुख्य सचिव बन गए हैं। उन्हें पदोन्नत किए जाने संबंधी आदेश शुक्रवार शाम को जारी किया गया। वह मप्र कैडर 1994 बैच के आईएएस है। पूर्व से वह नगरीय विकास एवं आवास विभाग और योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के प्रमुख सचिव थे।

संपादकीय

परिसीमन का आधार व जनसंख्या का आकार

परिसीमन आजकल बहस का नया विषय है,खासतौर पर सियासी गलियारों में। दक्षिण भारत के राज्य भी इस पर भीतर ही खदबदा रहे हैं। इसलिए हाल में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने दक्षिणी राज्यों के सिर पर लटकती डी-लिमिटेशन की तलवार के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर यह साफ कर दिया कि इस मसले को अब और टालना संभव नहीं होगा। इससे यह भी साफ हो गया है कि अपनी इस पहल के जरिए उन्होंने सारे दक्षिणी राज्यों की चिंता को स्वर दिया है। उल्लेखनीय होगा कि डी-लिमिटेशन या परिसीमन दरअसल एक संवैधानिक जरूरत है जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है संसद में जनता के प्रतिनिधित्व और आबादी में हो रही बढ़ोतरी का अनुपात ठीक बना रहे। संवैधानिक संशोधन के जरिए पहले 1976 में 25 वर्षों के लिए और फिर 2002 में साल 2026 तक के लिए इसे टाल दिया गया। 2011 के बाद 2021 में जो जनगणना होनी थी, वह भी कोविड के चलते टल गई। हालांकि सरकार ने इसकी अभी कोई तारीख नहीं घोषित की है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले साल तक जनगणना का काम पूरा हो जाने के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। चूंकि परिसीमन का आधार क्षेत्र विशेष की जनसंख्या को बनाया जाता रहा है, इसलिए दक्षिणी राज्यों को डर है कि इसके परिणास्वरूप राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और अहमियत कम हो जाएगी। उनका डर निराधार नहीं कहा जा सकता क्योंकि जनसंख्या के मामले में दक्षिणी राज्यों के मुकाबले उत्तर भारत कहीं आगे है। आजादी के बाद जहां दक्षिण भारत के राज्यों ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए वहीं परिवार कल्याण योजनाओं के जरिए आबादी की बढ़ोतरी को भी काबू में कर लिया। 2011 की जनगणना के मुताबिक जहां उत्तर के सिर्फ दो राज्य - यूपी और बिहार ही देश की कुल आबादी का 25 फीसदी थे वहीं साउथ के पांचों राज्य मिलाकर महज 21 फीसदी थे। अब ताजा सरकारी अनुमानों के मुताबिक यह प्रतिशत क्रमश- 26 और 19.5 हो चुका है। जाहिर है, आबादी के आधार पर परिसीमन लोकसभा में दक्षिणी राज्यों के सांसदों की संख्या कम कर सकता है। स्टालिन ने कहा भी है कि तमिलनाडु को कम से कम आठ सीटों का नुकसान होगा। यह भी एक तथ्य है कि दक्षिण के राज्य देश के कॉरपोरेट और इनकम टैक्स में एक चौथाई का योगदान करते हैं जबकि यूपी और बिहार का योगदान महज तीन ही फीसदी बैठता है। इस मसले को कैसे हल किया जाता है, यह देखना होगा लेकिन इस दलील में भी दम तो है कि देश के किसी भी हिस्से को उसके अच्छे प्रदर्शन का नुकसान नहीं होने देना चाहिए। यह भी गौरतलब है कि कई साल पहले भी परिसीमन को लेकर दक्षिण राज्य खासे उबले थे ,इस बार यही वजह है कि परिसीमन पर निगाहें हैं। दक्षिणी राज्यों से कई बार व्यंगात्मक रूप से या सियासी तौर पर यह बातें भी सामने आती रही हैं कि ज्यादा बच्चे पैदा किये जाएं। इसे सियासी तानाकशी से अलग रखें तो जनसंख्या नियंत्रण देश की सबसे अहम जरूरत है ताकि संसाधनों का लाभ सभी को बराबर से मिले और मौके भी मिलते रहें। यदि दक्षिण भारत के राज्यों ने जनसंख्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया है तो बदले में वहां के राज्यों ने जोरदार प्रगति की है।यह आर्थिक व सामाजिक स्तर पर साफ नजर भी आता है। यही बात देश के अन्य राज्यों व वहां की सरकारों को भी समझना होगी। इसके आधार पर लोकसभा में ज्यादा सीटें पाकर सियासी हित तो सध सकते हैं लेकिन राज्य के आर्थिक,सामाजिक हित कभी अपेक्षित तरीके से नहीं सध सकेंगे।परिसीमन का मूल आधार व जनसंख्या का आकार

अब भारतीय विज्ञान वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर हो रहा

■ प्रोफेसर रवीन्द्रनाथ तिवारी

भारत अंतरिक्ष गतिविधियों में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सितंबर 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्र कक्षीय मिशन और चंद्रयान-4 को मंजूरी दी। शुक्र मिशन का उद्देश्य ग्रह की सतह, वायुमंडल और सौर संपर्कों का अध्ययन करना है। चंद्रयान-4 चंद्र मिट्टी के नमूने एकत्र करने पर केंद्रित होगा। 23 अगस्त 2024 को, भारत ने अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया, जो चंद्रयान-3 मिशन की सफलता की स्मृति में मनाया गया।

भारत का वैज्ञानिक इतिहास अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली रहा है। प्राचीन काल में बौधायन, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, नागार्जुन, ब्रह्मगुप्त और सुश्रुत जैसे महान वैज्ञानिकों ने गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा और रसायन विज्ञान में महत्वपूर्ण खोजें कीं, जो आज भी विश्वभर में मान्य हैं। इस महान परंपरा को आधुनिक भारतीय वैज्ञानिकों ने आगे बढ़ाया है, जिनमें चंद्रशेखर वेंकटरमन का नाम अग्रणी है। चंद्रशेखर वेंकटरमन ने 28 फरवरी 1928 को ÷रमन प्रभाव÷ की खोज की, जिससे प्रकाश के प्रकीर्णन की एक नई समझ विकसित हुई। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए उन्हें 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला, जिससे वे यह सम्मान पाने वाले पहले एशियाई वैज्ञानिक बने। इसके अलावा, उन्हें फ्रेंकलिन मेडल, लेनिन पुरस्कार और भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों को याद रखने और विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए भारत में 1986 से हर वर्ष 28 फरवरी को ÷राष्ट्रीय विज्ञान दिवस÷ मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और विज्ञान के महत्व को आमजन तक पहुंचाना है।राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीम ÷विज्ञान और नवाचार में युवाओं को सशक्त बनाना÷ है। यह दिवस हमें विज्ञान की शक्ति को पहचानने और आने वाली पीढ़ियों को नवाचार की ओर प्रेरित करने का अवसर प्रदान करता भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे वह वैश्विक मंच पर एक प्रमुख स्थान पर स्थापित हुआ है। अमेरिकी %नेशनल साइंस फाउंडेशन% की %साइंस एंड इंजीनियरिंग इंडिकेटर्स 2022% रिपोर्ट के अनुसार, भारत वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है। वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या में भी भारत ने महत्वपूर्ण वृद्धि की है। पिछले एक दशक में, भारतीय शोधकर्ताओं ने प्रति वर्ष लगभग 2.75 लाख वैज्ञानिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, जिससे भारत जी-20 देशों में ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। नीदरलैंड की प्रकाशन संस्था एल्सेवियर की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2012 से 2022 के बीच भारत में वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि में ब्रिटेन के लिए यह दर 1.9 प्रतिशत थी। नवाचार के क्षेत्र में, भारत ने ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2024 में 39वां स्थान प्राप्त किया है, जो 2015 में 81वें स्थान से एक महत्वपूर्ण उछाल है। यह प्रगति सरकार के मजबूत समर्थन और एक सुदृढ़ बौद्धिक संपदा ढांचे के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।नेटवर्क तत्परता में, भारत ने नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2024 में 11 स्थानों की छलांग लगाते हुए 49वां स्थान हासिल किया है। इस रिपोर्ट में भारत ने %एआई वैज्ञानिक प्रकाशन%, %एआई प्रतिभा की सघनता% और %आईसीटी सेवा निर्यात% जैसे संकेतकों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। तकनीकी और वैज्ञानिक दक्षता को और सुदृढ़ करने के लिए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने %टेक्नोलॉजी विजन 2035% रूपरेखा तैयार की है, जिसमें शिक्षा, चिकित्सा और स्वास्थ्य, खाद्य और कृषि, जल, ऊर्जा, और पर्यावरण जैसे 12 प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस पहल का उद्देश्य इन क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करना है, जिससे देश की समग्र प्रगति हो सके।महिला वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने और अनुप्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने कई परियोजनाओं का चयन किया है। इसके अलावा, %राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन% के माध्यम से भारत को विश्व स्तरीय कंप्यूटिंग शक्ति प्रदान करने, %अटल इनोवेशन मिशन% के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने, और छात्रों में अनुसंधान के प्रति रुचि जगाने के लिए %इंस्पायर% जैसी छात्रवृत्ति योजनाएं लागू की गई हैं।इन सभी प्रयासों के माध्यम से, भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी स्थिति को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है। भारत अंतरिक्ष गतिविधियों में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सितंबर 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्र कक्षीय मिशन और चंद्रयान-4 को मंजूरी दी। शुक्र मिशन का उद्देश्य ग्रह की सतह, वायुमंडल और सौर संपर्कों का अध्ययन करना है। चंद्रयान-4 चंद्र मिट्टी के नमूने एकत्र करने पर केंद्रित होगा। 23 अगस्त 2024 को, भारत ने अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया, जो चंद्रयान-3 मिशन की सफलता की स्मृति में मनाया गया। यह दिन अंतरिक्ष अनुसंधान और अन्वेषण में भारत की तकनीकी प्रगति का जश्न मनाने के लिए समर्पित है। 30 दिसंबर 2024 को, इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पैडेक्स) मिशन लॉन्च किया, जो अंतरिक्ष में दो उपग्रहों की डॉकिंग प्रक्रिया का सफल प्रदर्शन था। इस उपलब्धि ने भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल कर दिया है, जिन्होंने अंतरिक्ष में यह तकनीक विकसित की है।16 जनवरी 2025 को, स्पैडेक्स मिशन ने अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक डॉकिंग प्रक्रिया पूरी की, जिससे भारत अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने की क्षमता रखने वाले देशों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया। इन उपलब्धियों के साथ, भारत अंतरिक्ष अन्वेषण और अनुसंधान में अपनी अग्रणी भूमिका को सुदृढ़ कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर देश की वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति का प्रतीक है।भारत स्वच्छता, ग्रीन एनर्जी, और कृषि विज्ञान में निरंतर प्रगति कर रहा है। वैज्ञानिक तकनीकों से अपशिष्ट प्रबंधन बेहतर हुआ है, जिससे देश स्वच्छता में नए कीर्तिमान बना रहा है। ग्रीन एनर्जी में आत्मनिर्भरता से भविष्य की पीढ़ियों के लिए ऊर्जा संरक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। व्हीट जीनोम सिक्वेंसिंग और उन्नत फसलों के विकास ने कृषि में क्रांति लाई है, जबकि ड्रोन तकनीक किसानों और युवाओं के लिए नए अवसर खोल रही है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 की थीमयुवाओं को अनुसंधान और नवाचार की ओर प्रेरित कर रही है, जिससे भारत विज्ञान में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है। भारत शीघ्र ही अंतरिक्ष विज्ञान, सौर ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, जैव प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सूचना प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विश्व का नेतृत्व कर मानवता के कल्याण में योगदान देगा।

(लेखक, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रीवा में प्राचार्य हैं)

पूर्वोत्तर में बड़ा खतरा बनते तेजी से पिघलते ग्लेशियर

■ प्रभाकर मणि तिवारी

देश के पूर्वोत्तर इलाके में ग्लोबल वार्मिंग का प्रकोप ज्यादा होने की खबरें तो बीते कुछ वर्षों से सामने आ रही हैं। लेकिन अब एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट ने पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी है। हाल में नागालैंड विश्वविद्यालय और गुवाहाटी स्थित कॉटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अपने एक ताजा अध्ययन में कहा-अरुणाचल प्रदेश में बीते तीन दशकों के दौरान ग्लेशियर प्रति साल 16.94 वर्ग किलोमीटर की दर से पिघल रहा है और अगर यह सिलसिला जारी रहा तो ग्लेशियर के पिघलने से निकलने वाले पानी पर निर्भर रहने वाले समुदायों को भविष्य में खेती और पीने के लिए पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। छोटे ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार और ज्यादा है।वैज्ञानिकों की एक टीम ने बीते 32 वर्षों के आंकड़ों की सहायता से अरुणाचल प्रदेश में ग्लेशियरों की संख्या और उनके घटते आकार का अध्ययन किया है। इससे पता चलता है कि वर्ष 1988 में जहां राज्य का 585 वर्ग किलोमीटर इलाका ग्लेशियर ढका था, वहीं वर्ष 2020 में यह घट कर महज 275 वर्ग किलोमीटर रह गया है। इससे साफ है कि ग्लेशियर के क्षेत्रफल में इस दौरान करीब 53 फीसदी की कमी आई है।

बीते महीने जर्नल आफ अर्थ सिस्टम साइंस में छपी इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन और उसके गंभीर असर के आकलन के लिए ग्लेशियर एक बेहतर पैमाना हैं। अध्ययन टीम के सदस्य और गुवाहाटी स्थिति कॉटन विश्वविद्यालय के पर्यावरण जीव विज्ञान और वन्य जीव विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नबोजित हजारिका कहते हैं कि यह अध्ययन इस बात का सबूत है कि पूर्वी हिमालय में ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर कितनी तेजी से पिघल रहे हैं। इस टीम ने अपने अध्ययन के दौरान तवांग, वेस्ट कामेंग, अपर सियांग और अपर दिबांग वैली इलाकों में ग्लेशियरों का अध्ययन किया। इस इलाके में ज्यादातर ग्लेशियर समुद्र की सतह से साढ़े चार हजार से 48 सौ मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियरों के पिघलने के कारण ग्लेशियल झीलों के निर्माण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी झीलें अक्सर तबाही मचाती हैं। दो साल पहले सिक्किम में ऐसी एक झील के फटने से बड़े पैमाने पर तबाही मची थी और जान-माल का भारी नुकसान हुआ था।

अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 1988 में अरुणाचल प्रदेश में कुल 756 ग्लेशियर थे जो वर्ष 2020 में घट कर 646 रह गए। टीम के एक अन्य सदस्य और नागालैंड विश्वविद्यालय के डा। एल। जमीर बताते हैं कि पश्चिमी हिमालय के मुकाबले पूर्वी हिमालय की ऊंचाई कम है। यही वजह है कि इस इलाके में ग्लोबल वार्मिंग का असर ज्यादा होने का अंदेशा है। ग्लोबल वार्मिंग के असर का पता लगाने के लिए ग्लोशियरों के पिघलना एक पैमाना माना जाता है। लेकिन इससे पहले कभी पूर्वी हिमालय में इतने बड़े पैमाने पर कोई अध्ययन नहीं किया गया था। अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में शोध केंद्र कम होना इसकी प्रमुख वजह है। डा. हजारिका के मुताबिक कई बार ग्लेशियर पिघलने के बाद दो या उससे ज्यादा हिस्सों में बंट जाते हैं, लेकिन चिंता की बात यह नहीं बल्कि उनका क्षेत्रफल कम होना है। वह बताते हैं कि ग्लेशियरों के पिघलने का सबसे तात्कालिक खतरा यह है कि खेती और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए इनके पिघलने से मिलने वाली पानी पर निर्भर समुदायों को निकट भविष्य में पानी की किल्लत से जूझना पड़ सकता है। मोटे आंकड़ों के मुताबिक करीब 1।3 अरब लोग इस पानी पर निर्भर हैं। पूर्वोत्तर इलाके में देश के बाकी हिस्सों के मुकाबले ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल असर कुछ ज्यादा ही नजर आने लगा है। इलाके के तमाम राज्यों में बेमौसम की बरसात, भयावह बाढ़, भूस्खलन, असम चाय की पैदावार व गुणवत्ता में कमी और दुनिया के सबसे नम इलाके वाले मेघालय में पीने के पानी की कमी जैसे मामले इसका सबूत हैं। पूर्वोत्तर इलाका अपनी जैव-विविधता के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन मौसम के बदलते मिजाज की वजह से दुर्लभ किस्म की कई वनस्पतियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है।

जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर ने इलाके में लोकप्रिय झूम खेती की परंपरा को भी खतरे में डाल दिया है। झूम यानी हर साल-दो साल जगह बदल कर ढलवां सीढ़ीदार जगह पर होने वाली खेती पूर्वोत्तर भारत में सदियों पुरानी परंपरा रही है। इलाके की भौगोलिक बसावट भी इसके लिए मुफीद रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन का इलाके की जैव विविधता पर असर साफ नजर आने लगा है। अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले में अब जाड़े के दिनों में भी आम फलने लगे हैं। यह एक नई बात है। मौसम के बदलते मिजाज की वजह से इलाके में कई दुर्लभ वनस्पतियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. भूमिधर बर्मन कहते हैं कि पूर्वोत्तर में जलवायु परिवर्तन के असर के सटीक आकलन के लिए हमारे पास आंकड़ों की कमी है। दरअसल यह समस्या जितनी नजर आती है उससे कहीं ज्यादा गंभीर है। दुर्गम इलाकों से आंकड़े जुटाने का कोई ठोस इंतजाम नहीं है। ऐसे में ज्यादातर इलाकों के आकलन में अनुमानों का ही सहारा लिया जाता है। ताजा अध्ययन रिपोर्ट में रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए ग्लेशियरों के पिघलने पर लगातार निगरानी के साथ ही बेहतर जलवायु अनुकूलन रणनीति पर विचार करना और उनको लागू करना जरूरी है।

- साभार

आप जिस चीज के लायक हैं, उससे कम पर कभी समझौता न करें। यह अभिमान नहीं, स्वाभिमान है।
-चाणक्य

आज का इतिहास

- 2009- डेनमार्क के कोपेनहेगन में जलवायु शिखर सम्मेलन शुरू।
- 2008- हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा ने चन्द्रमोहन को उप मुख्यमंत्री पद से बर्ख़ास्त किया।
- 2007- यूरोप की कोलम्बर प्रयोगशाला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुँचाने वाली अटलांटिस की बहुप्रतीक्षित उड़ान तकनीकी कारणों से स्थगित।
- 2004- हामिद करजई ने अफ़ग़ानिस्तान के पहले निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की।
- 2003- रमन सिंह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पद पर आसीन।
- 2002- तुर्की की आजरा अनिन मिस वर्ल्ड 2002 बनीं।
- 2001- कंधार में तालिबान ने हथियार डाले, विक्रमसिंघे श्रीलंका के नये पीएम नियुक्त।
- 1995- दक्षिण एशिया वरीयता व्यापार समझौता (साप्टा) प्रभावी।
- भारत ने संचार उपग्रह इनसेट-2सी का प्रक्षेपण किया।

1988- अर्मेनिया में 6.9 तीव्रता वाले भूकंप से 25 हजार लोगों की मौत, लाखों बेघर।

निशाना है हमने ये ठाना !

-कृष्णेन्द्र राय

हर बात पर राजनीति ।
होकर रहने वाली ।।
चलता तेज़ दिमाग है ।
नहीं है रखना खाली ।।
काम पड़ा है ज्यादा ।
ना करना आराम ।
घटनाएं कुछ हो रहीं ।
ज्यादा अब तमाम ।।
हर पल अब कुछ नया
लेकर के ही आना ।।
पेश है करना वह कुछ ।
चाहे जो ज़माना ।।
होंगे कामयाब हम ।
है हमने ये ठाना ।।
लेकिन होगा बंद ना ।
रहेगा बजता गाना ।।

55 स्पीड ब्रेकर और पत्थरों के ढेर वाहन चालकों के लिए बने परेशानी का सबब

जान का खतरा बनी टाइगर रिजर्व की 22 किमी लंबी सड़क, रोज हो रहे हादसे

लोग इस सड़क पर जाने से कतराते हैं, वन विभाग नहीं दे रहा ध्यान

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से होकर निकला पाटन रहली मार्ग यात्रियों के लिए राहत से ज्यादा परेशानी का सबब बनने लगा है। दरअसल पाटन रहली सड़क का 22 किमी हिस्सा टाइगर रिजर्व से होकर निकला है जो सिंगल लेन है और उसमें भी 55 स्पीड ब्रेकर बने हुए है। ऐसे में जहां वाहन चालकों को परेशानियां पहले से ही थी तो वहीं अब इस रास्ते के ब्रेकरों के दोनों और बड़े बड़े पत्थरों को रखा गया है। इन हालातो में वाहन चालकों को निकलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है साथ ही हादसे के शिकार हो रहे हैं और लूट जैसी घटनाओं का भय बना हुआ है लेकिन इस और टाइगर रिजर्व का ध्यान नहीं है

रफ्तार कम करने की मंशा

इस तरह के कार्यों से विभाग की सोच वाहनों की रफ्तार धीमी रखने और जानवरों को वाहनों से नुकसान ना होने देने की है लेकिन अब इसके चलते वाहनों को नुकसान और हादसे सामने आने लगे है। रात के अंधेरे में बाइक सवार इन पत्थरों से टकराकर गिर कर घायल हो रहे है क्योंकि सिंगल मार्ग पर अचानक से ब्रेकर के पास बड़ा वाहन आ जाता है तो बाइक चालक पत्थरों पर ध्यान नहीं दे पाता है और बड़े वाहन से क्रासिंग के दौरान इन पत्थरों से टकराकर घायल हो जाते है लोगों का कहना है वन विभाग द्वारा इन पत्थरों को ब्रेकरों से हटवाना चाहिए जिससे हादसे ना हो और वाहनों को क्रासिंग के दौरान परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

रात में अपराधों का भी डर

इस मार्ग से गुजरने वाले राधेश्याम नागौद निवासी रहली ने बताया कि हालातों के चलते इस मार्ग पर निकलने में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है और रात में वाहन की रफ्तार कम होने से लूट का खतरा भी होता है। बस चालक के अनुसार बस को बार बार रोकना होता है बस का टाइम कवर नहीं हो पाता है और वाहन का भी नुकसान होता है। इसके अलावा इस सड़क की कई स्थानों पर गुणवत्ता खराब होने और संकेतकों के अभाव में भी यह सड़क यात्रा के लिए सुगम नहीं है। इसी के चलते लोग इस रास्ते की जगह दमोह गढ़ाकोटा मार्ग और देवरी महाराजपुर मार्ग से सफर करते हैं। वहीं इस संबंध में टाइगर रिजर्व के प्रभारी एसडीओ प्रतीक कुमार दुबे ने पत्थरों के सम्बन्ध में जानकारी न होने की बात कहते हुए, उसे हटाने की बात कही

पट्टा नवीनीकरण में आ रही समस्या को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को कांग्रेस द्वारा आम लोगो के हितो को ध्यान मे रखते हुए नगर नजूल पट्टो का नवीनीकरण प्रकिया को सरल, सुलभ और शिथिल कर नजूल भूमि के पट्टो का नवीनीकरण कराये जाने के संबंध में नगर कांग्रेसजनों द्वारा कलेक्टर के नाम सिटी मजिस्ट्रेट ब्रजेंद्र रावत को ज्ञापन सौपा गया ।

कांग्रेसजनों का कहना है देखने मे आ रहा है की पट्टो के नवीनीकरण के आवेदन नजूल मे प्रस्तुत कर रहे है भूमि स्वामी के नाम नजूल खसरा में दर्ज होने के बावजूद मूल पट्टे की प्रतियां आवेदकों से मांगी जा रही है चूँकि पट्टे काफी वर्ष पूर्व बनाए गैर हैं जो पूर्वजो के समय से होकर अब नवीनीकरण के समय उपलब्ध नहीं हैं ऐसे समय में नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल करते हुए आमजन की सुविधा को देखते हुए पट्टा नवीनीकरण प्रक्रिया शिथिल किया जाये

ज्ञापन मे प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष फैज़ान उल।हक़ , नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, अन्नू मलैया, यु.का प्रदेश सचिव गुलाम मुस्तफ़ा, विजेंद्र राजपूत ,रिज़वान खान, देवेन्द्र'दुबे, मोहम्मद आमिर , आयुष्मान अवस्थी, आदि उपस्तिथ रहे.

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में ऋण वितरण और वसूली अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, होशंगाबाद में कलेक्टर और बैंक प्रशासक सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में ऋण वितरण, वसूली और अमानत के लक्ष्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप आयुक्त सहकारिता शिवम मिश्रा, बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह, बैंक मुख्यालय होशंगाबाद के अधिकारी, नोडल अधिकारी एवं होशंगाबाद एवं हरदा जिले के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर एवं प्रशासक सुश्री मीना ने बैंक के ऋण वितरण, अमानत और वसूली के लक्ष्यों की शाखावार समीक्षा की। बैठक में उप आयुक्त सहकारिता शिवम मिश्रा ने बताया कि बैंक की कुल अमानतें 31 जनवरी 2024 की स्थिति पर

52738.96 लाख थीं, जो बढ़कर 31 जनवरी 2025 को 54886.21 लाख हो गईं, जिसमें राशि 2147.25 लाख रूपये की वृद्धि हुई है। इसी तरह, बैंक की ऋण वसूली 28 फरवरी 2024 की स्थिति पर 4411.07 लाख थी, जो 28 फरवरी 2025 की स्थिति पर बढ़कर 7014.86 लाख हो गई, जो गत वर्ष से 2603.79 लाख अधिक है। गतवर्ष 28 फरवरी 2024 की स्थिति पर रबी 2024 में कुल ऋण वितरण 8421.09 लाख जो इस वर्ष 28 फरवरी 2025 की स्थिति पर राशि रू. 7043.30 लाख का ऋण वितरण किया जा चुका है एवं ऋण वितरण की प्रक्रिया जारी है।

कलेक्टर सुश्री मीना ने बड़े बकायादारों के प्रकरण आर.आर.सी. में दायर करने के निर्देश दिए। उन्होंने शाखा प्रबंधकों को ऋण वितरण, अमानत में वृद्धि करने और कृषि एवं अकृषि ऋणों की वसूली करने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव विवेक ने राजस्व विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए आवश्यक निर्देश

एक माह के भीतर वित्तीय सुधार पर ध्यान दें, बड़े बकायदारों की सूची तैयार कर ठोस कार्य प्रणाली बनाएं : पोरवाल

समीक्षा बैठक में निम्न राजस्व वसूली वाले 15 जिलों की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त किया

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के प्रमुख सचिव (राजस्व) विवेक पोरवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जिलों में राजस्व वसूली की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत अब तक की गई राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा कर समस्त जिला कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

श्री पोरवाल ने समीक्षा बैठक में निम्न राजस्व वसूली वाले 15 जिलों की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि आगामी दिनों में वसूली प्रक्रिया को और अधिक तेज किया जाए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को पट्टों के नवीनीकरण हेतु विशेष अभियान संचालित करने के भी निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव ने कहा कि प्रत्येक जिले में अनुविभाग स्तर पर शेष बड़े बकायदारों की सूची तैयार कर एक ठोस कार्य योजना बनाई जाए, जिससे राजस्व वसूली में वृद्धि हो सके। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि आगामी एक माह के भीतर वित्तीय सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए।

प्रमुख सचिव ने कहा कि केवल लक्ष्य निर्धारण करने से वसूली प्रक्रिया तेज नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सभी राजस्व अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हो रही वसूली की सूक्ष्म निगरानी करना आवश्यक है। इसके साथ ही, जिन बकायदारों को वसूली हेतु नोटिस जारी किए गए हैं, उनकी नियमित समीक्षा की जाए एवं नोटिसों की तामिली भी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में सभी जिलों के राजस्व अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि आगामी 15 मार्च तक राजस्व वसूली की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार लाया जाए। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तेन्दूखेड़ा में रोजगार मेला आयोजित

29 बेरोजगार युवाओं को मिला नौकरी का मौका, हुआ चयन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद पंचायत में स्थित ग्रामीण आजीविका मिशन कार्यालय तेन्दूखेड़ा में रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें कई कंपनियों ने भागीदारी की रोजगार की तलाश में दूरदराज से आए युवा रोजगार मेले में शामिल हुए इस रोजगार मेले में 79 युवाओं ने पंजीयन कराया था जिसमें 29 युवाओं का विभिन्न कंपनियों में चयन हुआ है।

विकासखंड प्रबंधक ग्रामीण आजीविका मिशन के सुमित तिवारी ने बताया कि रोजगार मेले में बेरोजगारों को रोजगार का अवसर मिला है जहां काम करना चाहिए निजी कंपनियों द्वारा भी सरकारी नौकरी की तरह सुविधा दी जाती है इस दौरान रोजगार मेले में आए कंपनियों के अधिकारी कर्मचारी एवं आजीविका मिशन के अधिकारी कर्मचारी मेले में मौजूद थे

परीक्षा केंद्र में तख्ती ले जाने पर रोक अभिभावक एवं परीक्षार्थी नाराज

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

कक्षा 12 वीं के परीक्षार्थियो को परीक्षा केंद्र में तख्ती ले जाने पर रोक लगा दी गई हैं जिस कारण छात्रो के अभिभावाको ने अपनी नाराजगी जताई है। साथ ही परीक्षा केंद्र में अनेक टेविले खराब होने के कारण साथ ही टेविले हिलने के कारण परीक्षार्थियो को भी परेशानियां हो रही हैं। जिस कारण परीक्षार्थियो का भी समय खराब होने के कारण नाराजगी व्यक्त की है। ज्ञात हो कि शुक्रवार को 12 कक्षा का अंग्रेजी का पेपर था। जब परीक्षार्थी पेपर देने तख्ती लेकर पहुंचे तो सीएम राईज के परीक्षा केंद्र प्रभारी सुनील चौरसिया ने सभी परीक्षार्थियो को तख्ती लेकर अंदर जाने से मना कर दिया गया। सभी छात्र-छात्राए बिना तख्ती के पेपर देने अंदर गए लेकिन परीक्षा केंद्र के कमरों में कुछ टेबिलें खराब होने के कारण टेबिल हिल रही थी। जिस कारण परीक्षार्थियो को पेपर देने में परेशानी हो रही थी। जिसकी शिकायत परीक्षार्थियों ने परीक्षा केंद्र प्रभारी से की गई जिसके बाद टेबिल सुधारने का प्रयास किया गया जिस कारण परीक्षार्थियो का पेपर देने का लगभग 15 मिनिट समय बर्बाद हो गया।

संगीता पटेल ने बताया मेरी बेटी का परीक्षा सेंटर सीएम राइज स्कूल में है और परीक्षा देने के लिए गुलाबी रंग की तख्ती लेकर गई थी जिस पर कुछ भी नहीं लिखा था। लेकिन परीक्षा केंद्र के अंदर तख्ती ले जाने पर रोक लगाई थी। लेकिन जब परीक्षा रूम में पेपर दे रही थी तभी उसकी टेबिल कमजोर थी इसलिए हिल रही थी जिसकी शिकायत शिक्षकों से की गई इस दौरान मेरी बेटी के दस से पंद्रह मिनट खराब हुए इसका जिम्मेदार कौन है। इसी तरह विनीता परिहार ने बताया मेरी बेटी से भी नीले रंग की तख्ती बाहर रखवा ली गई थी जबकि वह पूरी तरह नई थी उसमें कोई लेख भी नहीं था।

परीक्षा केंद्र प्रभारी सुनील चौरसिया ने कहा कि जब बच्चो को टेबिल कुर्सी दी गई है। तो तख्ती ले जाने का कोई औचित्य नहीं है। पहले बच्चे तख्ती पर कुछ न कुछ लिखकर ले जाते थे। जिसके बाद तख्ती पर रोक लगा दी गई है। परीक्षा रूम में पेन और प्रवेश पत्र ही ले जा सकते है। सभी टेबिल सामान्य प्रकार की रखी गई है। स्कूल में सभी प्रकार का फर्नीचर उपलब्ध है। कोई बच्चा जैसे भी टेबिल कुर्सी चाहता है वैसे टेबिल कुर्सी रखवाई जाएगीं

नशा मुक्त भारत अभियान

डॉ. तोमर ने जिम और फिटनेस सेंटरों का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत, सामाजिक न्याय आयोग के अध्यक्ष डॉ. मयंक तोमर ने शहर के विभिन्न जिम और फिटनेस सेंटरों पर निरीक्षण किया। उन्होंने जिम जाने वाले लोगों से मुलाकात की और उन्हें नशे के खतरों के बारे में जागरूक किया। डॉ. तोमर ने महाकाल फिटनेस सेंटर, आर.के. जिम, और के.जी.एफ. जिम सहित कई जिम और फिटनेस सेंटरों का दौरा किया। उन्होंने जिम संचालकों को निर्देश दिए कि वे अपने सदस्यों को नशे के खतरों के बारे में जागरूक करें और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। डॉ. तोमर ने कहा कि नशा मुक्त समाज बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने युवाओं को नशे के खतरों के बारे में जागरूक करना होगा और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेट्रो एंकर द्वादश ज्योतिर्लिंग मेले में उमड़ रही भीड़.. शिव महापुराण कथा का हो रहा आयोजन

युगे-युगे परमात्मा इस धरती पर अवतरित होते हैं : नीलम

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के रसूलिया सेवा केंद्र द्वारा आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंगम मेले में रोजाना 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मेले में सप्त दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन भी किया जा रहा है। मेले में 41 फीट ऊंचा विशाल शिवलिंग आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसमें सागर से पधारीं कथावाचिका बीके नीलम ने कहा कि परमपिता शिव परमात्मा इस सृष्टि के अंत के भी अंत समय में अर्थात कलियुग के अंत और सतयुग के आदि समय संगमयुग पर आकर मनुष्य आत्माओं को सहज राजयोग की शिक्षा देते हैं। वह नर से श्रीनारायण और नारी से श्रीलक्ष्मी बनने का सहज मार्ग बताते हैं। वर्तमान में यह वही समय संगमयुग चल रहा है। युगे-युगे परमात्मा इस धरा पर अवतरित होते हैं। कहते है पार्वती जी ने श्रीगणेश जी का मैल से निर्माण किया। जब तक हमें परमात्मा की पहचान नहीं मिलती तब तक हम मैल (काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार) में ही रहते हैं। कहते हैं कि शंकरजी ने श्रीगणेश का गला काटा था। इसका मतलब है कि परमात्मा ने हमारा विकारों रूपी सिर काट दिया और हाथी का सिर लगा

दिया। अर्थात हाथी के समान अपने अंदर गुण लाना। जैसे हाथी के कान सूप जैसे हैं इसका अर्थ है हमें बुरी बातों को सूपना है। हाथी की सूंड दूर से ही अपने परिवार और अपने भोजन को ढूंढ लेता है इसी प्रकार हमें अच्छाई को धारण करना है। हाथी की बुद्धि बड़ी शक्तिशाली और बुद्धिवान होता है तो शंकर जी ने हमारी बुराइयों रूपी गला काटा है। हमारी भारतीय संस्कृति में पौराणिक कथाओं और चरित्रों के पीछे कई आध्यात्मिक रहस्य छिपे हुए हैं, जिन्हें हमें यथार्थ रूप पहचानकर उन गुण और विशेषताओं को अपने जीवन में धारण करना है। हर पांच हजार वर्ष बाद होती है सृष्टि की हूबहू पुनरावृत्ति। बीके नीलम ने कहा कि इस सृष्टि की हर पांच हजार वर्ष बाद हूबहू पुनरावृत्ति होती है। सतयुग के बाद त्रेतायुग, द्वापरयुग और फिर कलियुग आता है। इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर हर आत्मा अपने ड्रामानुसार पार्ट बजाने के लिए परमधाम से अवतरित होती है। प्रत्येक आत्मा के आने का समय निश्चित है। लेकिन सभी आत्मा कलियुग के अंत में ही वापिस परमधाम जाती हैं। इस सृष्टि रूपी कल्प वृक्ष का बीज निराकार शिव परमात्मा हैं जो परमधाम के निवासी हैं। इस सृष्टि के परमात्मा मूल हैं। सभी धर्मों की आत्माएं परमात्मा की संतान हैं। इस मौके पर आचार्य अरविंद महाराज ने भी विशेष रूप से भाग लिया। कथा में रोजाना की तरह बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुनीता , बीके लक्ष्मी , बीके दीपिका ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

खाली प्लाटों में जमा हो रही गंदगी ने किया जीना मुहाल

मच्छरों का बढ़ा प्रकोप, तेजी से पैर पसार रहा जानलेवा मलेरिया, प्रशासन बेखबर

नगर पालिका प्रशासन ने कदम नहीं उठाया तो आने वाले दिनों में हालात और भी विकराल रुप ले सकते हैं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

इन दिनों मच्छरों आतंक अधिक होने से नगर वासियों को कठिनाइयां का सामना करना पड़ा है अवैध कॉलोनी में रहने वालों की तो मुश्किल बड़ी हुई है।खाली प्लेटों में महीनों से गंदा पानी और गंदगी भरी हुई है नाले नालियों की साफ सफाई नियमित रूप से नहीं होने से इनकी संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही समय रहते मच्छरों के प्रकोप से बचाने के लिए धरातल पर नगर पालिका प्रशासन कदम नहीं उठाएगी तो आने वाले दिनों हालत और भी विकराल रुप ले सकते हैं। मौसम में बदलाव के बाद मच्छरों की वृद्धि होती है इसकी जानकारी नगर पालिका प्रशासन के अधिकारियों से लेकर के अमले को होती है उसके बाद समय पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी के दुष्परिणाम इन दिनों नगरवासियों को उठाने पड़ा रहे है। मच्छरों के काटने से लोग मलेरिया की बीमारी से पीड़ित हो रहे है गरीबों के पास इलाज करने के लाले पड़े हुए हैं। वहीं पहले भी लापरवाही के कारण डेंगू के मामले तेजी से बढ़ गए थे

अभी भी समय पर ध्यान नहीं दिया तो हालत में से ही बन जाएंगे।वही मच्छरों से बचने के लिए धरातल पर नगर पालिका परिषद ने कार्य नहीं किया तो सभी को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा इसके बचाव के लिए फॉगिंग से लेकर जिन स्थानों पर गंदगी जमा हो रही है उसको निकलवा कर वहां पर साफ सफाई करवा कर दवाई का छिड़काव भी करवाना होगा गंदगी से भारी पड़े नाले नालियों की भी अच्छे सफाई करवानी होगी यह काम भी निमित्त रूप से हो इसका ध्यान भी जिम्मेदार अधिकारियों को रखना होगा तभी परिवर्तन होगा खानापूर्ति के लिए काम ना हो। पालिका के जिम्मेदारों अधिकारियों कर्मचारियों को पूरे शहर की गली मोहल्ले में फॉगिंग भी अच्छे से करनी होगी जिन स्थानों पर मच्छर पनपन के हालात बन रहे हैं उन स्थानों पर दवाई डलवा कर उनकी सफाई भी धरातल पर एक तरफ से करवानी होगी तभी इनकी रोकथाम हो पाएगी नहीं तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। दूसरी और अभी दिन के तापमान में वृद्धि हो रही है आने वाले दिनों में जब रात्रि के तापमान में वृद्धि होगी तो मच्छरों का प्रकोप और भी ज्यादा परेशान करेगा। बड़े लोग तो जैसे तैसे मच्छरों से बचने के इंतजाम कर लेते हैं गरीब वर्ग के लोगों को मच्छरों से बचने के इंतजाम करना भी मुश्किल हो रहा है । गरीब बस्तियों में रहने वाले लोग मच्छरों के काटने से मलेरिया जैसी बीमारी से पीड़ित हो रहा है इलाज करवाने में उनकी हालत खराब हो रही है ।अस्पताल में भी मरीज की संख्या में वृद्धि हो रही है कई लोगों के हालात इतने ज्यादा अच्छे नहीं कि वह मलेरिया का प्राइवेट में इलाज कर सके इस वजह से कई लोग मलेरिया से पीड़ित होने के बाद भी उपचार नहीं कर पा रहे हैं। मच्छरों से मुक्ति दिलाने के लिए नगर पालिका प्रशासन के द्वारा समय रहते धरातल पर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इसके चलते नगर वासियों को मलेरिया से लेकर डेंगू जैसी बीमारी के प्रकोप का सामना करना पड़ा है।

अवैध कॉलोनी में रहने वाले के हल बेहाल

दूसरी ओर अधिकांश अवैध कॉलोनी में नगरपालिका के द्वारा साफ सफाई से लेकर फागिंग भी कभी नहीं कराई जाती है इस वजह से इनमें रहने वाले लोगों की और भी ज्यादा परेशानियां बड़ी हुई है घरों से निकलने वाली गंदगी खाली प्लाटों में जमा हो रही है मच्छरों का प्रकोप यहां और अधिक दिखाई दे रहा है। वैसे मच्छरों से बचाने के लिए नगर पालिका प्रशासन को यहां भी साफ सफाई करवा कर फॉगिंग करवानी चाहिए क्योंकि इन कॉलोनी में रहने वाले के प्लाटों के नामांतरण करके विकास शुल्क बी नगर पालिका परिषद ले रहा है तो सुविधा भी उसके बदले में मिलनी चहिए।

इनका कहना है

कुछ दिनों से मच्छर इतने अधिक होने गए हैं कि इनसे बचपन मुश्किल है मलेरिया की बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं नगर पालिका को मच्छरों को से बचाने के लिए कदम उठाने चाहिए।
-मोहित शर्मा नगर वासी

मच्छरों से बचाव के लिए शहर में फागिंग नियमित रूप से प्रारंभ करवाते हैं।
-रामप्रकाश साहू मुख्य नपा अधिकारी

एनएचएआई की 1033 हेल्पलाइन सेवा का लाभ लें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की 1033 हेल्पलाइन राष्ट्रीय राजमार्गों से यात्रा करने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए 24 घंटे सातों दिवस सहायता सेवा प्रदान कर रही है। यह हेल्पलाइन दुर्घटनाओं और अन्य आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

1033 हेल्पलाइन को टोल प्लाजा, एम्बुलेंस, पेट्रोलिंग वाहन, क्रेन जैसी अन्य राजमार्ग संचालन सुविधाओं के साथ एकीकृत किया गया है। जिससे जरूरत के अनुसार आवश्यक सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जाती है। सड़क उपयोगकर्ताओं की सभी कॉल्स का उत्तर तत्काल

दिया जाता है, जिससे उनका सफर अधिक सुरक्षित और सुगम बनता है।

1033 हेल्पलाइन की सहायता से किसी भी दुर्घटना या आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही, किसी भी दुर्घटना स्थल पर गोल्डन ऑवर के भीतर पहुंचकर मृत्यु-दर को कम किया जा रहा है। यह सेवायें सड़क उपयोगकर्ताओं के विश्वास को मजबूत कर रही है और राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा को अधिक सुविधा जनक बना रही है।

जिला सलाहकार समिति की बैठक सात को

सिरोंज। विदिशा गर्भधारण पूर्व और प्रसूति पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला सलाहकार समिति की बैठक 7 मार्च को होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के चेम्बर में दोपहर 12 बजे से आयोजित जिला सलाहकार समिति की बैठक में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अन्तर्गत नवीनीकरण एवं नवीन पंजीयन हेतु प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की समीक्षा कर निर्णय लिए जाएगें।

नीति आयोग के प्रतिनिधि का दौरा कार्यक्रम

सिरोंज। विदिशा नीति आयोग द्वारा घोषित आकांक्षी जिलों में आयोग के तय मापदंडों अनुसार संपादित किए जा रहे कार्य की धरातलीय स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से आयोग के प्रतिनिधि मार्च माह की 3 से 6 तारीख के मध्य विदिशा जिले का भ्रमण करेंगे। जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया ने बताया कि नीति आयोग द्वारा विदिशा जिले के लिए जीएम (पार्सल) कौशल वशिष्ठ को प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है।

एसपी रोहित काशवानी ने नगद इनाम की घोषणा की

सिरोंज। विदिशा एसपी रोहित काशवानी ने थाना गंजबासौदा जिला विदिशा में दर्ज अपराध के फरार आरोपी सोनिया पुत्री रूपसिंह आदिवासी उम्र 15 साल निवासी ग्राम कुरवाई चक्क चैकी बरेठ थाना गंजबासौदा की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए तीन हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

रमजान में मस्जिदों के आसपास साफ-सफाई एवं विद्युत व्यवस्था कराए जाने की मांग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के तहसील अध्यक्ष इरफान कुरैशी उर्फ बाबू ठेकेदार एवं नगर अध्यक्ष वाहिद खांन गोरी नेतृत्व में मुस्लिम समाज जनों द्वारा तहसील कार्यालय पहुंचकर अनविभागीय अधिकारी के नाम तहसीलदार संजय चैरसिया को आवेदन पत्र सौंप कर अवगत कराया गया है कि रमजान माह मुबारक शुरू हो जाएंगे और शाम से ही मस्जिदों में विशेष नमाज (तराबी) का एहतेमाम किया जाएगा और अगले दिन से मुस्लिम धर्मावलंबियों के रोजे शुरू हो जाएंगे जो तकरीबन एक माह तक चलेंगे तथा उसके बाद ईद का त्यौहार मनाया जाएगा। ईद से एक दिन पूर्व ईदगाह एवं नगर की जिन मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की जाएगी वहां पर विशेष रूप से पुलिस बल एवं साफ सफाई पानी एवं विद्युत व्यवस्था की जाए। रमजान का पवित्र महीना शुरू हो रहा है इस दौरान रात्रि में विशेष नमाज भी पढ़ी जाती है। ऐसे समय विद्युत कटौती न की जाए। यदि विद्युत सप्लाई बंद की शिकायतें मिलती हैं तो तत्काल संज्ञान में लिये जाने की मांग की है। इस दौरान ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला महासचिव वाजिद कुरैशी, ऑल इंडिया मंसूरी समाज समिति के जिला अध्यक्ष नवाब मंसूरी,भाजपा पार्षद अजमल शेर खान, डाक्टर सुभान गोरी, पत्रकार वसीम अख्तर, वाजिद खान मैकेनिक,अनीस कुरैशी,नफीस कुरेशी, वसीम खान, कामरान ठेकेदार, डाक्टर अनस कुरैशी, पहलवान वकील मंसूरी, पहलवान हिफाजन खान, फरमान अंसारी, एडवोकेट जफर खान, सैयद मंसूर अली, अनीश खान, पहलवान शाहिद कुरेशी, मुकीम कुरैशी,प्यारे कुरैशी, पहलवान आदिल गोरी,अब्दुल बुरहान गोरी,शाहजेब कुरैशी, शोएब कुरैशी आदि लोग मौजूद रहे।

एफयूक्यू मापदंडों से प्रशिक्षित हुए सर्वेयर, समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की तैयारियां पूर्णता की ओर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा विदिशा जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कार्यों को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु आवश्यक तमाम प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के अनुपालन व जारी उपार्जन नीति के अनुसार कार्यों की शुरुआत होने से पहले उल्लेखितों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन जारी है। इसी कड़ी के तहत आज जिला मुख्यालय पर सर्वेयरों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल कुमार तंतुवाय ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत गेहूं उपार्जन की तैयारियों को ध्यान गत रखते हुए औसत गुणवत्ता पुर्ण (एफएक्यू) गेहूं खरीदी किए जाने हेतु जिले के लगभग 250 सर्वेयर को भारतीय खाद्य निगम के गुणवत्ता प्रबंध श्री आशीष घावरी द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। उक्त प्रशिक्षण का आयोजन एमपीएससीएससी द्वारा किया गया गया था।

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले पंजीकृत किसानों को अपनी फसलों के विक्रय में किसी भी प्रकार के व्यवधान ना हों इसके लिए एफएक्यू मापदंडों की जानकारी किसानों तक सुगमता से पहुंचें ताकि शासन की उपार्जन नीति से भलीभांति अवगत हो सकें।

संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा ने सभी सर्वेयरों को समय से केंद्र पर उपस्थित होने और मापदंड अनुसार गेहूं का परीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ततंसंबंध में किसी भी प्रकार की जिज्ञासा हो तो उसका समाधान प्राप्ति के उपरांत ही प्रशिक्षण हाल को छोड़ें।

प्रशिक्षणार्थियों को जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल तंतुवाय, आशा अग्रवाल जिला प्रबंधक एमपीएससीएससी जिला सहकारी बैंक से विधि शर्मा ने संबोधित किया और उपार्जन केन्द्रों पर समय उपस्थित नहीं होने निर्मित होनी वाली समस्याओं को रेखांकित किया है। एसएटी आई के कैलाश सत्यार्थी सभागार में संपन्न हुए उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में सर्वेयरों के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर हेलमेट लगाने की दी समझाईश

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आज हेलमेट लगाकर ही बाइक ड्राइव करने के लिए जन जागरूकता के लिए शासकीय कर्मियों से ही इस मुहिम की शुरुआत कर हेलमेट लगाने की समझाईश दी गई है।

कलेक्टर श्री सिंह ने शुक्रवार की प्रातः कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर शासकीय कर्मियों और पुलिसकर्मियों से हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन चलाकर कार्यालय आने की बात कही है। सबसे पहले उन्होंने कलेक्ट्रेट के निर्वाचन कार्यालय, पीओ डूडा, भू अभिलेख, कंट्रोल रूम सहित पुलिस विभाग के विभिन्न कक्षों में पहुंचकर शासकीय कार्यों का निर्वहन कर रहे अधिकारी, कर्मचारियों से संवाद करते हुए कहा कि सभी कर्मचारी दो पहिया वाहन चलाकर शासकीय कार्यालय आएं तो हेलमेट अवश्य पहनकर आएं, उन्होंने हेलमेट लगाने पर विशेष बल दिया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय कर्मियों से संवाद के दौरान कहा कि हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाना अपनी रोजाना की आदत में शामिल कर लें। बाइक लेकर घर से जाने से पहले हेलमेट लगाकर ही निकलना जरूरी समझें। भले ही चाहे थोड़ी ही दूर क्यों ना जाना हो हेलमेट लगाकर ही बाइक ड्राइव करें क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं में हेड इंजरी हो जाती है जिससे बचने के लिए हेलमेट अति आवश्यक है।

कलेक्टर श्री सिंह ने इसके उपरांत मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में और वाहन चालकों की सुरक्षा की दृष्टि से हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन चलाने के लिए जन जागरूकता की इस कड़ी में इस अभियान की शुरुआत शासकीय कर्मियों से की गई है और शासकीय कार्यालय में पदस्थ अधिकारी, कर्मचारियों को हेलमेट लगाने की समझाईश दी गई है।

व्हीसी के माध्यम से दिशा-निर्देश - राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव विवेक कुमार पोरवाल के द्वारा आज वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों की राजस्व वसूली की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने राजस्व प्राप्तियां वित्तीय वर्ष 2024-25 राजस्व वसूली के संबंध में जिलों में क्रियान्वित कार्यों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए समयावधि में वसूली के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही साथ उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री और आरओआर लिकिंग के कार्यों के संपादन के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए हैं। उक्त व्हीसी के दौरान विदिशा के एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह सहित संयुक्त कलेक्टर द्वय श्रीमती मोहिनी शर्मा, श्रीमती निकिता तिवारी, डिप्टी कलेक्टर संतोष बिटोलिया एवं एसएलआर श्रीमती कृष्णा रावत मौजूद रहे।।

मेट्रो एंकर स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में नगर पालिका परिषद की हुई बैठक

मुख्य नपाधिकारी ने शहर को प्रथम स्थान पर लाने वार्ड प्रभारियों को दिया मार्गदर्शन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शुक्रवार को नगर पालिका परिषद के सभा कक्षा में स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी के संबंध में समीक्षा बैठक हुई जिसमें स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 25 की तैयारी एवं स्कूल परीक्षाओं को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू , नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज शर्मा ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू की मौजूदगी हुई। नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू ने स्वच्छता से संबंधित जानकारी एवं कार्य प्रणाली पर चर्चा की वही नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने स्वच्छता फीडबैक एवं स्वच्छता में नगर को प्रथम स्थान पर लाने वार्ड प्रभारियों

दरोगाओं से कहा कि वर्तमान में चल रही स्कूल की परीक्षाओं को मध्ये नजर रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल को विस्तार से समझाया उन्होंने कहा कि सफाई मित्र द्वारा सफाई के दौरान यदि स्कूल परीक्षा देने जाते हुए बच्चे या स्कूल की बैन दिखाई दे तो सफाई कर्मी कुछ देर रुक जाएं जिससे उनकी गणवेश खराब ना हों साथ ही उन्हें विक्ट्री का साइन दिखाकर प्रोत्साहन करें वहीं मैजिक चालकों को निर्देश दिए की स्कूल जाते समय स्कूल की कोई बैन या मोटरसाइकिल पर स्कूल जाते हुए बच्चे दिखाई दे तो तत्काल उन्हें रास्ता दें ताकि उनकी परीक्षा में विलंब न हो ।

सिरोंज कार्यालय नगर पालिका परिषद सिरोंज में शुक्रवार को एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 25 की तैयारी एवं स्कूल परीक्षाओं को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष श्री मनमोहन साहू नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री मनोज शर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री राम प्रकाश साहू सफाई मित्र एवं समस्त दरोगा व वार्ड प्रभारीयों के बीच संपन्न हुई बैठक का उद्देश्य 2025 के स्वच्छता सर्वेक्षण एवं स्कूल परीक्षाओं को लेकर हुई बैठक में समस्त को जानकारी देते हुए अध्यक्ष श्री मनमोहन साहू द्वारा स्वच्छता से संबंधित जानकारी एवं कार्य प्रणाली पर चर्चा की वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा स्वच्छता फीडबैक एवं स्वच्छता में नगर को प्रथम स्थान पर लाने वार्ड प्रभारीयो ब दरोगाहों को उचित मार्गदर्शन देते हुए वर्तमान में चल रही स्कूल की परीक्षाओं को मध्य नजर रखते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल को विस्तार से समझाया उन्होंने कहा कि सफाई मित्र द्वारा यदि सफाई के दौरान यदि स्कूल परीक्षा देने जाते हुए बच्चे या स्कूल की बैन दिखाई दे तो सफाई कर्मी कुछ देर रुक जाएं जिससे उनकी गणवेश खराब ना हों साथ ही उन्हें विक्ट्री का साइन दिखाकर प्रोत्साहन करें वहीं मैजिक चालकों को निर्देश दिए की स्कूल जाते समय स्कूल की कोई बैन या मोटरसाइकिल पर स्कूल जाते हुए बच्चे दिखाई दे तो तत्काल उन्हें रास्ता दें ताकि उनकी परीक्षा में विलंब न हो बैठक का आभार व्यक्त करते हुए नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ द्वारा मुख्य नपाधिकारी की बात को समर्थन देते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्तम कार्य करने वाले कर्मचारियों को 26 जनवरी पर प्रमाण पत्र एवं प्रोत्साहन राशि से सम्मानित करने की बात के साथ आभार वक्त किया।

रेस्ट-डे पर अकेले प्रैक्टिस करने पहुंचे गिल, बीमार होने की वजह से नहीं की थी ट्रेनिंग

चैंपियंस ट्रॉफी: कल होगा भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय उपकप्तान शुभमन गिल गुरुवार को अकेले आईसीसी एकेडमी में प्रैक्टिस के लिए पहुंचे। टीम इंडिया का रेस्ट-डे था, इसलिए उन्होंने अकेले प्रैक्टिस की। इससे पहले, गिल टीम के साथ प्रैक्टिस सेशन में शामिल नहीं हुए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनकी तबीयत खराब थी। हालांकि, गिल ने दो घंटे से ज्यादा समय तक ट्रेनिंग की । उनके साथ टीम के दो थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट रघु और नुवान के साथ असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर भी मौजूद थे। मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का अगला मैच रविवार (2 मार्च) को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला जाएगा।

भारतीय टीम के लिए रेस्ट-डे था। पूरी टीम ने रात को लगभग तीन घंटे प्रैक्टिस की थी। इस दिन गिल मैदान पर नहीं पहुंचे थे। इसके अलावा हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे रोहित शर्मा ने भी बैटिंग सेशन में हिस्सा नहीं लिया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आराम कर सकते हैं रोहित पिछले रविवार को पाकिस्तान की पारी के दौरान फील्डिंग करते समय रोहित को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। ऐसे में रोहित हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में आराम कर सकते हैं। भारत ने अपने पहले लीग मैच में बांग्लादेश को और दूसरे लीग मैच में पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में पहले ही अपना स्थान पक्का कर लिया है। रोहित 4 मार्च को सेमीफाइनल मुकाबले से वापसी कर सकते हैं। रोहित को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में लगी थी

चोट रोहित शर्मा को 23 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे लीग मैच में चोट लग गई थी। वह पाकिस्तान की पारी के दौरान कुछ देर के लिए ड्रेसिंग रूम में चले गए, लेकिन फिर मैदान पर लौट आए। रोहित ने भारत के 242 रनों के सफल चेज के दौरान बल्लेबाजी भी की, जिसमें उन्होंने 15 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाए।

आज साउथ अफ्रीका जीता तो सेमीफाइनल खेलेगा

नईदिल्ली, एजेंसी

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का 11वां मैच आज साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबला कराची के नेशनल स्टेडियम में शुरू होगा। दोनों टीमों के दो-दो मैच हो चुके हैं। साउथ अफ्रीका ने एक जीता और दूसरा मैच पानी में धुल गया। वहीं इंग्लैंड को पहली जीत की तलाश है।

साउथ अफ्रीका का पिछला मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया था, लेकिन इस मैच को जीतकर टीम सेमीफाइनल में जगह पक्की कर लेगी। दूसरी ओर, शुरुआती दो मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी इंग्लिश टीम जीत के साथ समापन करना चाहेगी। इंग्लैंड अगर बड़े अंतर से जीता तो टीम अफगानिस्तान को सेमीफाइनल में क्वालिफाई करा देगी।

चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें 4 बार आमने-सामने हुई दोनों टीमें चैंपियंस ट्रॉफी में पांचवीं बार आमने-सामने होंगी। इससे पहले दोनों ने 4 मैच खेले, 2 साउथ अफ्रीका और 2 इंग्लैंड ने जीते। दोनों के बीच ओवरऑल 70 वनडे खेले गए। 34 में इंग्लैंड और 30 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। 5 मैच का नतीजा नहीं निकल सका, जबकि 1 मैच टाई रहा। रिकेल्टन ने टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए रायन रिकेल्टन ने इस चैंपियंस ट्रॉफी में साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर कप्तान टेम्बा बावुमा हैं। उन्होंने 1 मैच में 76.31 की स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए हैं। बॉलिंग में कगिसो रबाडा 3 विकेट लेकर टॉप पर हैं। डकेट ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए इंग्लैंड के लिए इस चैंपियंस ट्रॉफी में बेन डकेट ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम 2 मैचों में 203 रन हैं। डकेट ने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक (165 रन) लगाया था। पेसर जोफा आर्चर ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनके नाम 2 मैचों में 4 हैं। उन्हें पिछले मैच में एक विकेट मिला था। पिच रिपोर्ट कराची के नेशनल स्टेडियम की पिच आम तौर पर बल्लेबाजों के लिए मददगार होती है। हालांकि, कराची की पिच पर स्पिनर्स को कुछ टर्न मिल सकता है। यहां अब तक 58 वनडे खेले गए। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 28 और पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने भी इतने ही मैच जीते। दो मैचों का नतीजा नहीं निकल सका। यहां का हाईएस्ट स्कोर 355/4 है, जो पाकिस्तान ने इसी साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। वेदर रिपोर्ट शनिवार को कराची का मौसम अच्छा रहेगा। सुबह धूप और कुछ जगहों पर बादल रहेंगे। बारिश की संभावना नहीं है। तापमान 16 से 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। हवा 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी।

पंत की शीर्ष 10 में वापसी, रोहित और विराट खिसके

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी के साथ ही आइसीसी रैंकिंग में भी धमाकेदार एंट्री की है। पंत (731 रेटिंग अंक) बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शतक जड़ने के साथ आइसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 10 बल्लेबाजों में शुमार हो गए हैं। वे बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल (751) पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। रोहित पांच स्थान के नुकसान के साथ 10वें और कोहली पांच स्थान गिरकर 12वें नंबर पर लुढ़क गए हैं।

एम्बापे ने रियाल मैड्रिड के लिए पांचवें मैच में दागा गोल

मैड्रिड. एजेंसी

फ्रांस के किलियन एम्बापे ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए रियाल मैड्रिड की ओर से लगातार पांचवें मैच में गोल दागा। एम्बापे इस सीजन में ला लीगा के पांच मैचों में छह गोल कर चुके हैं, जबकि उन्होंने सभी टूर्नामेंटों में खेले नौ मैचों में सात गोल किए हैं। इस मैच में रियाल मैड्रिड ने अलावेस को 3-2 से शिकस्त दी। रियाल की ओर से लुकास वाजक्वेज ने पहले ही मिनट में गोल किया, जबकि एम्बापे ने 40वें और रोड्रिगो ने 48वें मिनट में गोल दागे।

39 मैच से अजेय है रियाल मैड्रिड

ला लीगा में रियाल की टीम 39 मैचों से अजेय है। इसमें पिछले सत्र की 29 जीत और 10 ड्रॉ भी शामिल हैं। हालांकि अलावेस ने 85वें मिनट में कार्लोस बेनाविदेज और 86वें मिनट में किके गार्सिया के गोल की वापसी की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

लीग कप: मैनचेस्टर सिटी ने वॉटफोर्ड को हराया

आर्सेनल के खिलाफ प्रीमियर लीग में कड़ा मुकाबला खेलने के दो दिन बाद मैनचेस्टर सिटी ने टीम में काफी बदलाव करने के बाद इंग्लिश लीग कप के तीसरे दौर के मैच में वॉटफोर्ड को 2-1 से हरा दिया। सिटी की इस जीत के नायक जेरेमी डोकू (पांचवें मिनट) और मैथियूस न्यून्स (38वें मिनट) रहे जिन्होंने पहले हाफ में ही अपनी टीम को दो गोल की बढ़त दिला दी थी। इसके अलावा चेल्सी, एस्टन विला और लीसेस्टर ने भी अपने

ताइवान के चिया-मिंग ने यूट्यूब से सीखी कबड्डी

अब प्रो कबड्डी लीग में दिखा रहे दम

नई दिल्ली. एजेंसी

ताइवान के चिया-मिंग चांग ने हाई स्कूल में यूट्यूब पर कबड्डी को देखा तो उनकी इस खेल में दिलचस्पी बढ़ी। उन्होंने अपने कोच को इस खेल के बारे में बताया तो उन्हें भी यह रोचक लगा और चिया-मिंग ने इसका प्रशिक्षण लेना शुरू किया। अब यह ताइवानी खिलाड़ी प्रो कबड्डी लीग में बंगाल वारियर्स का प्रतिनिधित्व कर रहा है। चिया-मिंग हाई स्कूल में कुश्ती किया करते थे, लेकिन कबड्डी देखने के बाद उन्होंने पहलवान बनने का इरादा बदल दिया। चिया-मिंग ने बताया कि ताइवान में इस खेल को कोई नहीं जानता, वहां इसके लिए कोई कोचिंग एकेडमी भी नहीं है। मैंने बस यूट्यूब पर इसके वीडियो देखे और कैचिंग, ब्लॉकिंग और मूव्स का अभ्यास किया।

ऑटो मोबाइल: ईवी सहित सभी कारों को पछाड़ दिया

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीयों को अब सीएनजी कारें ज्यादा भा रही हैं। कारों की बिक्री की रफ्तार में सीएनजी कारों ने पेट्रोल, डीजल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारों (ईवी) तक को पछाड़ दिया है। इस साल सीएनजी कारों की बिक्री 46 फीसदी बढ़ी है। वहीं पेट्रोल कारों की बिक्री 4.5 फीसदी घटी है। हालांकि डीजल के साथ ईवी और हाइब्रिड कारों का बिक्री बढ़ी है। अब मिड-वेरिएंट्स में कई सीएनजी मॉडल उपलब्ध हैं, जिससे पता चलता है कि लोग निजी इस्तेमाल के लिए सीएनजी को विकल्प के तौर पर अपना रहे हैं। बिकने वाली कारों की संख्या देखें तो सीएनजी वाहनों की बिक्री अब पेट्रोल वाहनों की बिक्री का है। जैटो डायनामिक्स के अध्यक्ष रवि भाटिया ने कहा, दुनिया भर में ईवी की वृद्धि धीमी हो रही है, इसलिए भारत का वाहन बाजार वैकल्पिक ईंधन की ओर रुख कर रहा है। सीएनजी सस्ती और व्यावहारिक होने के कारण टैक्सी और छोटे वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में लोकप्रिय है। दमदार प्रदर्शन और ईंधन का कम खर्च के बारे में सोचने वाले ग्राहकों के बीच हाइब्रिड वाहन भी लोकप्रिय हो रहे हैं। ऑटोमोबाइल कारोबारियों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने से सीएनजी कारें लोगों को ज्यादा भा रही है।

दिसंबर तिमाही में 6.2 फीसदी रही जीडीपी ग्रोथ

नईदिल्ली. एजेंसी

देश की अर्थव्यवस्था ने फिर से उड़ान भरी है। कृषि क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन के दम पर वर्ष 2024-25 की दिसंबर तिमाही में रियल जीडीपी ग्रोथ रेट 6.2 फीसदी रही। सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो पहले 6.4 फीसदी रहने का अनुमान था। नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ रेट 9.9 फीसदी की दर से बढ़ने की अनुमान है। एनएसओ के मुताबिक, खरीफ फसलों खासकर धान के अच्छे उत्पादन से वर्ष 2024-25 में कृषि क्षेत्र की ग्रोथ रेट दिसंबर तिमाही में 5.6 फीसदी रहेगी, जो 2023-24 की समान अवधि में केवल 1.5 फीसदी बढ़ी थी।

इधर, थोक-खुदरा कीमतों में अंतर बढ़ा : पिछले 2-3 साल में अनाज, सब्जी और दाल जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेजी बढ़ोतरी हुई हैं। इनके थोक व खुदरा कीमतों में भारी अंतर लोगों की जेब पर बोझ बढ़ रहा है। मंडी और थोक कीमतों के अंतर को समझा जाए तो बीते 14 वर्षों के दौरान सबसे ज्यादा गेहूं और आटे की कीमतों में अंतर आया है। कृषि आपूर्ति श्रृंखला की गतिशीलता पर आधारित आरबीआइ की फरवरी, 2025 की अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2011 में मंडी में गेहूं की कीमतों और बाजार में बिकने वाले आटे की खुदरा कीमतों में महज 5 रुपए का अंतर था, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 20 रुपए तक हो गया है आलू-प्याज-टमाटर के थोक और खुदरा भाव के बीच अंतर बढ़ा है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

पहली मुलाकात के समय एक्टर राजकुमार से डरी हुई थीं एक्ट्रेस पत्रलेखा

पत्रलेखा और राजकुमार बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल्स में से एक रहे हैं। कपल की एक दिलचस्प प्रेम कहानी रही है। पत्रलेखा ने राजकुमार राव के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया और बताया, मैंने अभी-अभी एलएसडी देखी थी। उनकी पहली फिल्म। लगभग तीन दिन बाद, मेरी एक स्कूल की दोस्त ने मुझे फोन किया, उसने कहा, क्या तुम मेरे लिए यह वीडियो कर सकती हो, यह एक म्यूजिक वीडियो है, मैं राजकुमार नामक एक अभिनेता को बुला रही हूं। वह अभी एलएसडी में था। अभिनेत्री ने आगे बताया कि मैंने कहा, नहीं, मैं नहीं आ रही हूं क्योंकि मुझे लगता है कि वह बहुत डरावने हैं और मैं डर गई थी। वह कह रही थी, कुछ नहीं होगा, हम तुम्हारे लिए एक कार भेजेंगे और तुम अपनी बहन को अपने साथ क्यों नहीं ले जाती? मैंने कहा, ठीक है, देखते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने अपनी बहन को अपने और राजकुमार के बीच बैठाया और वे बातें करने लगे। मैंने अपनी बहन को भी बात करने से मना कर दिया था। मुझे अजीब लग रहा था क्योंकि वह उस फिल्म के खौफनाक आदमी थे। पत्रलेखा ने बताया कि कैसे वह आखिरकार राजकुमार के प्यार में पड़ गईं।

एयरपोर्ट पर खराब अनुभव से गुजरीं दिव्या

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने एयरपोर्ट पर एक परेशानियों से भरा डरावना अनुभव सोशल मीडिया पर साझा किया है। दिव्या दत्ता ने बताया कि उन्हें कैसे एयरपोर्ट पर पहुंच कर चेक इन करने के बाद उन्हें पता चला कि उनका विमान रद्द हो चुका है। फ्लाइट को लेकर कोई घोषणा भी नहीं की गई। न ही रद्द होने का कोई मैसेज उनके पास आया। दिव्या ने कहा कि वह एयरपोर्ट पर बहुत असुरक्षित महसूस कर रही थीं। अभिनेत्री दिव्या दत्ता सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एयरपोर्ट पूरी तरह से खाली नजर आ रहा है। दूर एक बेंच पर एक युवक बैठा दिख रहा है। इस वीडियो को शेयर कर दिव्या ने लिखा, तड़के ऐसे डरावने अनुभव के लिए धन्यवाद। मैंने एक रद्द की गई फ्लाइट के लिए चेक इन किया है। इस फ्लाइट के लिए मुझे कोई नोटिफिकेशन भी नहीं मिला है। मुझे यहां से बाहर निकलने के लिए भी बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा है। मदद के लिए कोई स्टाफ भी मौजूद नहीं था। इस कारण मेरा शूट भी प्रभावित हुआ है, मैं बहुत बुरी तरह परेशान हूं।

आदित्य धर की एक्शन फिल्म के लिए रणवीर सिंह ने कसी कमर

रणवीर सिंह ने 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना का थाईलैंड में एक महीने का पहला शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके बाद वह फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू करने जा रहे हैं। अभिनेता रणवीर सिंह के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी की खबर है। रणवीर सिंह नवंबर के शुरुआत में 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना की शूटिंग फिर से शुरू करने वाले हैं। बता दें कि हाल ही में अभिनेता के घर बेटी का आगमन हुआ है। वह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ बच्ची के जन्म का जश्न मना रहे हैं। खुशियों के इस मौके पर अभिनेता के प्रशंसकों के लिए उत्सुकता और उत्साह से भरी खबर सामने आई है। 'बैंकॉक, थाईलैंड में हमारी शूटिंग बहुत ही उत्पादक रही है। अब रणवीर अगले शेड्यूल के लिए नवंबर में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम इस समय कई जगहों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दे सकते हैं, लेकिन पहले शेड्यूल में हमने जो उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद देखा है, उसके बाद अगले अध्याय के लिए उत्साह बहुत अधिक है।'

शादी में जा रही महिला की सड़क हादसे में चली गई जान

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित 11 मील तिराहा के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर बैठी महिला उछलकर सड़क पर गिरी, तभी वह दूसरे वाहन की चपेट में आ गई। गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हादसे के समय वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रही थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक शुकनबाई पत्नी नारायण (45) मंडीदीप की रहने वाली थी और गृहणी थी। गुरुवार को भोपाल के बजरिया इलाके में रहने वाले उनके रिश्तेदार के यहां शादी समारोह था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शकुनबाई अपने भतीजे बादल लोधी के साथ बाइक से भोपाल जा रही थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे ग्यारह मील तिराहे के पास एक कार ने बादल की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे शकुनबाई उछलकर सड़क पर जा गिरी। इस दौरान वह एक अन्य वाहन से भी टकरा गई। गंभीर रूप से घायल शकुनबाई को इलाज के लिए एम्स अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बाइक पर नशे में झूमती रही युवती का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

भोपाल। बाइक पर शराब के नशे में झूम रही युवती और दो युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवक बाइक चला रहा है, जबकि बीच में बैठी युवती नशे में खड़े होकर झूम रही है। उसे पीछे बैठा युवक पकड़कर रखे हुए है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद ट्रैफिक पुलिस हरकत में आ गई है। आलाधिकारियों का कहना है कि वीडियो के आधार पर बाइक सवार और युवती की तलाश की जा रही है। इसके अलावा सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो वीआईपी रोड का बताया जा रहा है। वीडियो पीछे चल रही कार में बैठे युवक ने बनाया है। वीडियो में एक युवती बाइक पर बीच में बैठकर जमकर झूम रही है। वह खड़ी होकर लोगों को फ्लाइंग किस भी कर रही थी। ट्रैफिक के अधिकारियों का कहना है कि बाइक सवारों पर मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल उनकी तलाश की जा रही है। आरोपियों के मिलने के बाद ही पता चल सकेगा कि उक्त वीडियो कब बनाया है। हालांकि वीडियो को देखकर लग रहा है कि उसे रात में बनाया गया है।

बीटेक छात्र का मोबाइल झपटकर भागे बाइक सवार बदमाश, केस दर्ज

भोपाल। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित बोनीफाई हास्टल के पास बाइक सवार बदमाशों ने बीटेक के छात्र का मोबाइल झपट लिया। घटना गत 26 फरवरी की रात करीब दस बजे के आसपास की है। घटना की शिकायत छात्र ने तत्काल थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने छात्र की शिकायत पर अज्ञात बाइक सवार बदमाशों पर झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 22 साल का अदित्य राज सोनी, भवानी टाउन अयोध्या नगर में रहता है और निजी कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर का छात्र है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 26 फरवरी की रात वह खाना खाने के बाद मुख्य सड़क पर टहलने निकला था। इस दौरान मोबाइल पर दोस्त से बातचीत कर रहा था। बोनी फाई हॉस्टस से कुछ दूरी पर यशोदा होटल के सामने पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया। वह कुछ समझ पाता इससे पहले ही बदमाश तेजी से बाइक लेकर फरार हो गए। छात्र ने झपटे गए मोबाइल की बिल पुलिस को नहीं दिया है।

बिना नंबर की बाइक चोरी कर घूम रहा बदमाश, पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल। निशातपुरा पुलिस ने शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उससे तलवारनुमा चाकू सहित चोरी की बाइक समेत स्कूटर और ई रिक्श जब्त किया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ चोरी और आर्म्स एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बिना बाइक के एक युवक घूम रहा है। वह किसी वारदात को अंजाम दे सकता है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करते हुए संदिग्ध को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद फजल उर्फ फज्जु पिता मोहम्मद सईद (20) निवासी शासकीय स्कूल के पीछे किराये का मकान गांधीनगर बताया।

परिवार समेत करीब एक दर्जन झुलसे लोगों का निजी अस्पताल में चल रहा है इलाज

सिलेंडर के लीक होने पर दीये से आग भड़की, जली वृद्धा की मौत

बागसेवनिया स्थित आशाराम नगर में बुधवार दोपहर शिवरात्रि की पूजा में हुआ था हादसा, पंडित और हलवाई भी झुलसे थे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित आशाराम नगर में गुरुवार दोपहर शिव रात्रि के दिन गैस सिलेंडर में रिसाव होने से आग भड़क गई थी। आग भड़कने से परिवार के सदस्य, पंडित के अलावा खाना बनाने पहुंचा युवक भी झुलसा था। कुल 11 लोगों के झुलसने की पुलिस को अस्पताल से जानकारी मिली थी। सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जबकि बुजुर्ग महिला का एम्स में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार आशाराम नगर निवासी बृज शुक्ला के घर गुरुवार दोपहर महा शिवरात्रि के दिन पूजा का आयोजन किया गया था। परिजन दीप जलाकर पूजा कर रहे थे, जबकि किचन में खाना बनाने वाले खाना बना रहे थे। दोपहर करीब एक बजे के आसपास गैस सिलेंडर बदलते समय गैस तेजी से रिसने लगी। गैस का रिसाव तेज होने के कारण पता ही नहीं चला कि और गैस कमरों तक फैलने गली। घर में गैस का वैक्यूम बना और एकाएक दीये आग भभक गई। आग भभकने से पूजा पाठ कर रहे परिवार के सदस्य बुरी तरह से झुलस गए। इस दौरान खाना बनाने वाले और पंडित जी भी झुलस गए थे। सभी को इलाज के लिए एम्स और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह मनोरमा शुक्ला पति बृज किशोर शुक्ला (86) की मौत हो गई। अन्य का इलाज चल रहा है। उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

इनको झुलसने के कारण किया था भर्ती

आगजनी की घटना में बृज शुक्ला उनकी पत्नी मनोरमा, नवल, लल्ली, रक्षित, श्रृद्धा और पंडित बसंत बिल्लौरे झुलसे हैं। बृज शुक्ला का एम्स में इलाज चल रहा है, बाकि सभी निजी अस्पताल में भर्ती है। इस घटना में खाना बना रहे युवक भी झुलसे थे।

नर्मदापुरम रोड पर हादसा: बाइक सवार ने बस स्टॉप पर खड़ी बुजुर्ग को मारी टक्कर, मौत

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित नर्मदापुरम रोड पर तेज रफ्तार बाइक ने बस स्टॉप पर खड़ी 62 साल की बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उन्हें गंभीर चोट आई थी और पास ही स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार जिदिया बाई पति हरिशंकर चौहान (62) गांव डुंगरिया, थाना शाहगंज, जिला सीहोर की रहने वाली थी। उम्रदराज होने के कारण उन्हें बीमारियां थी। उनका नर्मदापुरम रोड के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। गत 24 फरवरी को इलाज कराने के बाद वह सड़क पार कर अस्पताल की दूसरी ओर बस स्टाप पर पहुंची। उनके साथ उनकी रिश्तेदार और पति भी मौजूद थे। सभी लोग बस स्टॉप पर खड़े होकर सीहोर जाने वाली बस का इंतजार करने लगे। इसी बीच दोपहर करीब साड़े तीन बजे बागसेवनिया तरफ से बस आई और रोड पर खड़ी हो गई। इस दौरान जिदिया बाई समेत उनकी रिश्तेदार और पति बस स्टॉप पर ही खड़े थे। तभी एक बाइक चालक तेजी व लापरवाहीपूर्वक बाइक चलाकर लाया और बस को क्रॉस करते हुए जिदिया बाई को टक्कर मार दी। इस हादसे में जिदिया बाई को सिर, हाथ, पैर, चेहरा, कान, व शरीर के अन्य हिस्सों गंभीर चोट आई थी। उन्हें पास ही स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह उनकी मौत हो गई।

8 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी, फरार आरोपी की संपत्ति की जाएगी कुर्क

कोर्ट का आदेश, भू माफिया से मिलकर दादा से धोखाधड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अपने परिवार की ही संपत्ति को फर्जी दस्तखत कर हड़पने वाले शैलेंद्र मीणा लंबे समय से फरार है। जिसके बाद गोविंदपुरा पुलिस के आवेदन पर कोर्ट ने आदेश दिया है कि तय समय सीमा में शैलेंद्र मीणा कोर्ट में पेश नहीं होता है तो उसकी संपत्ति को कुर्क कर लिया जाएगा।

जनवरी 2023 में आरोपी शैलेंद्र मीणा ने अपने दादा दौलत राम के फर्जी हस्ताक्षर कर करीब 8 करोड़ की संपत्ति की पॉवर ऑप अटार्नी अपने नाम करवाली थी। इस धोखाधड़ी के बाद शैलेंद्र मीणा की दादी मुन्नीबाई ने ही गोविदपुरा पुलिस को शिकायत की थी जिसके बाद जांच कर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस की छानबीन में सामने आया कि इस धोखाधड़ी में भू माफिया विजय श्रीवास्तव ने शैलेंद्र मीणा का साथ दिया था, जिसके खिलाफ भी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस मामले के दर्ज होने के बाद से ही शैलेंद्र मीणा फिछले 2 साल से फरार चल रहा है, शैलेंद्र मीणा के होने के कारण गोविंदपुरा पुलिस ने कोर्ट में शैलेंद्र मीणा को लेकर आवेदन दिया जिसके बाद कोर्ट ने शैलेंद्र को लेकर आदेश दिया है कि अगर वो जल्द पेश नहीं हुआ तो उसकी संपत्ति कुर्क कर ली जाएगी। थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया है कि शैलेंद्र की गिरफ्तारी के बाद ही मामले में आगे की कार्रवाई की जा सकती है क्योंकि जब तक शैलेंद्र को गिरफ्तार कर उसके बयान नहीं लेने के बाद मामले में अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। शैलेंद्र ने अपने दादा की संपत्ति अपने नाम की थी जिसमें उसके दादा के अन्य दो भाईयों का भी हिस्सा था, संपत्ति में बटवारा होता इससे पहले ही आरोपी शैलेंद्र ने संपत्ति धोखे से अपने नाम करवा ली। वहीं शैलेंद्र ने जिस संपत्ति को अपने नाम करवाया था उस संपत्ति को भू माफिया विजय ने रिश्तेदार के नाम कराया और इसके एवज में शैलेंद्र को उसने पैसे दिए।

बेटे को पीटते बदमाश को रोका मां के गले से मंगलसूत्र झपटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित अब्बास नगर चंद्रा होम्स कॉलोनी में बेटे के साथ हो रही मारपीट में बीच बचाव करने पहुंची बुजुर्ग मां के गले से बदमाश ने मंगलसूत्र झपट लिया। घटना गत 24 फरवरी की रात करीब दस बजे के आसपास की है। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 60 साल की अंगूरी बाई ठाकुर, अब्बास नगर, चंद्रा होम्स कॉलोनी के सामने कोलार रोड में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 24 फरवरी की रात करीब 10 बजे उनका बेटा कमल सिंह शराब के नशे में आटो से घर पहुंचा। इस दौरान प?ोस में रहने वाले आदित्य और उसके साथियों ने कमल सिंह के साथ गालीगलौज करते हुए झूमाझटकी करने लगे। शोर सुनकर अंगूरीबाई अपनी बेटी अनीता के साथ घर के बाहर आई कमल को बचाने लगी। बीच बचाव करने में उनका मंगलसूत्र गिर गया। वे थाने पहुंची और आदित्य सहित झूमाझटकी करने वाले उसके साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

ऑटो वाले ने देखा जेब में रखते हुए मंगलसूत्र

अंगूरी बाई ने पुलिस को बताया कि 25 फरवरी की सुबह वह उसी जगह पहुंची, जहां झूमाझटकी हुई थी। तलाश करने के बाद भी उन्हें मंगलसूत्र नहीं मिला। 26 फरवरी की शाम बेटे को छो?ने आए आटो चालक ईलू राव ने बताया जिस समय कमल के साथ आदित्य झूमाझटकी कर रहा था और आप बीचबचाव कर रही थीं उसी समय आदित्य ने आपके गले से मंगलसूत्र झपटकर अपनी जेब में रख लिया था।

शादीशुदा से छेड़छाड़, हाथ पकड़कर मनचला बोला- *होटल चलो*

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित सुदामा नगर में 23 साल की शादीशुदा युवती से मनचले ने हाथ पकड़कर छेड़छाड़ कर दी। आरोपी उसे कहने लगा कि मेरे साथ ओयो होटल चलो। मनचला करीब दो महीने से युवती का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। जब उसकी हरकत बड़ गई और सरेराह उसने हाथ पकड़ लिया तो युवती ने पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी भी शादीशुदा है। पुलिस के अनुसार 23 साल की महिला इलाके में रहती है और गृहणी है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मोहल्ले में रहने वाला दिलावर उसे करीब दो महीने से परेशान कर रहा था। वह आएदिन मार्केट से आते-जाते समय उससे छेड़छाड़ करता था। बुधवार को भी वह मार्केट जा रही थी, तभी आरोपी ने उसे मोहल्ले में ही रोक लिया और हाथ पकड़कर कहने लगा कि मेरे साथ ओयो होटल चलो। युवती का कहना है कि वह बहुत दिन से आरोपी को नजरअंदाज कर रही थी, लेकिन जब उसकी हरकत बड़ी तो युवती पति के साथ थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। इधर, चूनाभट्टी चूनाभट्टी थाना क्षेत्र स्थित कोलार तिराहा के पास एक बस्ती में रहने वाली बारहवीं कक्षा की छात्रा से मोहल्ले में रहने वाले मनचले ने छेड़छाड़ कर दी। आरोपी नशे का आदी है और नशे में वह उसके घर घुस गया था। छात्रा की परीक्षा खत्म होने पर उसने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 20 साल की युवती इलाके में रहती है और बारहवीं कक्षा की छात्रा है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मोहल्ले में रहने वाला सुनील राठौर उसे लंबे समय से परेशान कर रहा था।

मेट्रो एंकर जुआ, सट्टा सहित अनैतिक गतिविधियां, पुलिसकर्मियों की कॉल डिटेल खंगाल रहे अधिकारी

ठगी सेंटर पर लचर कार्रवाई की, एएसआई लाइन अटैच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र पुलिस की सह पर चल रही अनैतिक गतिविधियों को लेकर अधिकारी एक्सन मोड पर आ गए हैं। अब अफसरों संदिग्ध पुलिसकर्मियों की कुंडली और कॉल डिटेल निकालनी शुरू कर दी। अधिकारियों ने बदमाशों को संरक्षण देने वाले चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया है। गुरुवार को एएसआई पवन रघुवंशी का लाइन हाजिर कर दिया गया। पवन पर आरोप है कि उन्होंने ठगी के कॉल सेंटर संचालित करने वाले के खिलाफ कमजोर कार्रवाई की है और जुआरियों से सांठगांठ का आरोप है। इसी के साथ उनकी विभागीय जांच शुरू हो गई है।

जानकारी के मुताबिक 23 फरवरी को ऐशबाग पुलिस ने प्रभात चौराहा के पास स्थित आइडियालॉजी एडवांस स्टॉक प्राइवेट लिमिटेड नामक कॉल सेंटर

पर रेड मारी थी। पुलिस ने यहां से 80 से अधिक कम्प्यूटर और 26 मोबाइल सिम जब्त की थीं। पुलिस को कॉल सेंटर के सरगना की एक डायरी भी मिली थी, जिसमें 100 से अधिक नाम और मोबाइल नंबर दर्ज हैं। मामले में कार्यवाही करते हुए गुरुवार को पुलिस ने कॉल सेंटर को पूरी तरह से सील कर दिया। कार्रवाई एएसआई पवन रघुवंशी ने की थी। सूत्रों की माने तो पवन और टीम ने कॉल सेंटर पर जिस समय दबिश दी। तब वहां कॉल सेंटर का संचालक अफजल खान मौजूद था। जिसे फरार बताया गया। पुलिस ने उसके बेटे पर साधारण धाराओं में कार्रवाई की, जिससे आरोपी के बेटे अमान को आसानी से जमानत मिल गई। पूरा मामला अधिकारियों के संज्ञान में आने के बाद एएसआई पवन को लाइन अटैच कर दिया गया है। जबकि कॉल सेंटर में कार्यरत युवक-युवतियों ने पूछताछ में बताया था कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर बाजार में निवेश से संबंधित विज्ञापन प्रसारित करते थे।

अफजल के खाते में ठगी का ट्रांजेक्शन

जांच में भी खुलासा हुआ है कि जब्त सिम कार्ड में से एक का इस्तेमाल उत्तर प्रदेश में सायबर ठगी के लिए किया गया था, जिसकी शिकायत लखनऊ में दर्ज है। पुलिस ने कॉल सेंटर से सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। कॉल सेंटर का संचालक अफजल खान, उसकी बेटी सायमा और परिवार के अन्य सदस्य ग्रीन पार्क कॉलोनी, अशोका गार्डन स्थित घर में ताला लगाकर फरार हो चुके हैं। अफजल खान के बैंक खाते का इस्तेमाल भी कई सायबर ठगी की रकम के ट्रांजेक्शन में हुआ है। महाराष्ट्र में हुई एक ठगी के मामले उसके बैंक खाता का उपयोग हुआ है। फरियादी के भोपाल आने पर एफआईआर दर्ज हो सकती है।

प्रमोद गुर्जर पर आरोप तय

ऐशबाग थाने के पुलिसकर्मियों पर जुआ सट्टा खिलवाने वालों को संरक्षण देने के आरोप सही निकला है। इस संबंध में एसीपी सुरभि मीणा ने अफसरों को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में आरक्षक प्रमोद गुर्जर पर आरोप तय कर दिए गए हैं। वहीं एसआई योगेंद्र सिंह यादव और एएसआई सतीश यादव की रिपोर्ट आना बाकी है।

सूने मकानों से हजारों का माल बटोरकर ले गए अज्ञात चोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर थानांतर्गत वैष्णवी कालोनी शिवनगर में रहने वाली संगीता पटवा के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। इसी प्रकार तलैया थानांतर्गत फतेहगड़ में रहने वाली बिलकिस बी के मकान से चोर जेवरात और नकदी समेत करीब पैंतीस हजार का सामान चोरी कर ले गए।

इधर टीटी नगर थानांतर्ग मालवीय नगर से कुर्बान अली और गणेश मंदिर के सामने छोला रोड से कमल लालवानी की स्कूटर चोरी हो गई। इसी प्रकार कटारा हिल्स स्थित स्प्रिंगवैली मार्केट से रघुवीर अहिरवार और मरघटिया मंदिर के पास शाहजहांनाबाद से मो. उबेश की बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने चारों मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मंदिर की दानपेटी से रुपए चोरी

भोपाल। कोहेफिजा थानांतर्गत खानूगांव स्थित हनुमान मंदिर की दानपेटी का ताला तोड़कर चोर रुपये चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक लोकेश यादव (42) झंडाचौक खानूगांव में रहते हैं और हनुमान मंदिर समिति के उपाध्यक्ष हैं। गुरुवार की शाम करीब सात बजे वह संध्या आरती के लिए मंदिर पहुंचे तो दानपेटी का ताला टूटा मिला और उसमें रखे दान के पैसे गायब थे। इसके बाद में उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। बदमाश पेटी से कितनी रकम चोरी करके ले गये हैं, इसका खुलासा नहीं हो पाया है।

बाइक भदभदा पुल पर खड़ी कर तालाब में लगाई छलांग

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित भदभदा पुल पर शुक्रवार दोपहर एक युवक ने बाइक खड़ी करने के बाद पानी में छलांग लगा दी। मछुआरों ने उन्हें तालाब से बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से जय प्रकाश अस्पताल पहुंचाया था, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक का मानसिक संतुलन कुछ समय से बिगड़ा हुआ था।

पुलिस के अनुसार हर्ष वर्धन नगर निवासी अनुराग मिश्रा करीब डेढ़ साल पहले पूजन सामग्री बेचा करते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटी है। परिजन ने बताया कि वह अपने भाई के परिवार के साथ रहते थे। कुछ दिनों से उनका मानसिक संतुलन बिगड़ चुका था और उनका इलाज भी चल रहा था। शुक्रवार दोपहर करीब बारह बजे वह घर से अपनी प्लेटिना बाइक लेकर गए रातीबड़ सड़क पर भदभदा पुल पर बाइक खड़ी कर सड़क पर रेलिंग से पानी में छलांग लगा दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022